राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 16 अप्रैल 2022 वर्ष-4,अंक-80 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने रामलला के किए दर्शन, नवाया शीश

अयोध्या (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू अपनी पत्नी उषा नायडू के साथ शुक्रवार को रेलमार्ग से अयोध्या पहुंचे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी रहे। उपराष्ट्रपति ने दर्शन पूजन के साथ ही वहां निर्माणाधीन मंदिर का थ्रीडी मॉडल भी देखा। इससे पहले कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विशेष ट्रेन अयोध्या रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंचीं। जहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, फैजाबाद के सांसद लल्लू सिंह और अयोध्या के अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। रेलवे स्टेशन से उपराष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ राम जन्मभूमि स्थल पहुंचे जहां उन्हें राम मंदिर निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। राम जन्मभूमि स्थल पहुंचने पर पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नायडू का स्वागत किया। विशेष पूजा-अर्चना करने के बाद नायडू ने निर्माणाधीन राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित ध्वज के समक्ष प्रार्थना भी की। वह अयोध्या के प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर भी पहुंचे जहां उन्होंने भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। भ्रमण कार्यक्रम के तहत उपराष्ट्रपति ने श्रीराम लला विराजमान मंदिर परिसर क्षेत्र में चल रहे भव्य निर्माण कार्य एवं मंदिर स्थल का निरीक्षण किया और गर्भगृह में पूजा-अर्चना की। इस दौरान एलईडी के माध्यम से तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पत राय ने एलएनटी एवं टाटा कंसल्टेंसी के अधिकारियों की उपस्थिति में मंदिर निर्माण के बिन्दुवार, चरणबद्व निर्माण संबंधित बिन्दुओं पर जानकारी दी। तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख न्यासी डॉ. विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र ने सभी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा अन्य बिन्दुओं की जानकारी दी। उपराष्ट्रपति ने अगले चरण में रामलला विराजमान मंदिर में दर्शन-पूजन किया और आरती में भाग लिया। मंदिर के मुख्य अर्चक सतेन्द्र नाथ ने पुजारी सहयोगी के साथ मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजन-अर्चन कराया।

उसके बाद उपराष्ट्रपति हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे और भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। इस दौरान मुख्य महंत एवं संतों ने उन्हें अंगवस्त्र और आशीर्वाद दिया। उपराष्ट्रपति ने सरयू घाट पर परिवार सहित जल आचमन किया तथा मां सरयू का दीपदान आदि से पूजन किया। राम लला के दर्शन के समय आगंतुक पुस्तिका में उपराष्ट्रपति ने लिखा-'पत्नी एवं परिवार के सदस्यों के साथ श्रीराम लला जी के दर्शन करने से मेरा जीवन धन्य हो गया। भगवान राम सदियों से उच्च संस्कारों, भारत की विरासत, संस्कृति, मानव परंपराओं को मर्यादा के साथ आगे बढ़ाने के लिए पूजे जाते हैं... यह मंदिर भारत के गौरव को बढ़ाने वाला तथा अद्वितीय होगा। इसके निर्माण कार्य में जुड़े समस्त लोगों, श्रद्वालुओं और केन्द्र व राज्य सरकार को हार्दिक बधाई देता हूं तथा अयोध्या में परिवार सहित आकर श्रीराम लला गर्भगृह में परिवार सहित पूजा-अर्चना करने से मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं। मैं प्रभु श्रीराम के चरणों में प्रणाम करता हूं।'

गुजरातः विदेश में रची गई साजिश, बाहर से बुलाए लोग

अहमदाबाद। गुजरात के खंभात में रामनवमी पर हुई हिंसा थी। मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस ने दावा किया कि खंभात में रामनवमी पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए विदेश में साजिश रची गई। पुलिस ने बताया कि एक मौलवी मुस्तकीम और उसके दो साथी मतीन और मोहसिन के साथ ही रजाक अयूब, हुसैन हाशमशा दीवान भी इस साजिश के बड़े किरदार हैं। आणंद जिले के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हिंसा को अंजाम देने के लिए कुछ लोगों को खंभात के बाहर से बुलाया गया था। शोभायात्रा रविवार को थी, लेकिन शनिवार रात तक बाहर से लोगों को बुलाकर एकत्र किया गया था। इसके साथ ही पत्थर और दूसरी घातक चीजें भी लाई गईं थीं। इतना ही नहीं, हिंसा के दौरान आरोपियों ने पथराव और आगजनी के लिए लोगों को उकसाया। साथ ही हिंसा के लिए पैसे भी इकट्ठा किए गए थे। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को बताया गया था कि जब शोभायात्रा मस्जिद के पास से गुजरे, तब पथराव शुरु कर दे। लिहाजा रविवार को शोभायात्रा मस्जिद तक पहुंची ही थी कि प्लानिंग के मुताबिक पहले पथराव किया गया फिर आगजनी की गई। इतना ही नहीं, हिंसा फैलाने वाले लोगों को ये भरोसा दिया गया था कि उन्हें कुछ नहीं होने दिया जाएगा। अगर कुछ होता है, तब कानूनी मदद भी दी जाएगी। इस वारदात को अंजाम देने के लिए पैसे भी इकट्ठा किए गए थे।

कांग्रेस के विशेष सदस्यता अभियान समाप्त, आखिरी दिन सोनिया गांधी बनीं पार्टी की डिजिटल सदस्य

नई दिल्ली। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के विशेष सदस्यता अभियान के आखिरी दिन शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी पार्टी की डिजिटल सदस्य बनीं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के डेटा विश्लेषण विभाग के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती ने सोनिया गांधी का नाम कांग्रेस के डिजिटल सदस्य के तौर पर शामिल किया। बाद में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोनिया गांधी को डिजिटल पहचान पत्र सौंपा। हाल में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेता पार्टी के डिजिटल सदस्य बने थे। कांग्रेस ने पिछले महीने अपने विशेष सदस्यता अभियान को 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया था और यह 15 अप्रैल तक चला। पहले तय किए गए कार्यक्रम के मुताबिक, पार्टी का सदस्यता अभियान 31 मार्च को संपन्न होने वाला था। यह अभियान पिछले साल एक नवंबर को आरंभ हुआ था।

खरगोन के बाद अब गुजरात के खंभात में हिंसा के आरोपियों की संपत्ति पर चला बुलडोजर

गांधीनगर । गुजरात के खंभात में रामनवमी के जुलूस पर पथराव के बाद हिंसा फैली थी। अब खंभात में जिला प्रशासन ने हिंसा के आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलवा दिया है। स्थानीय प्रशासन ने हिंसा की जगह स्थित दुकानों को तोड़ दिया है। ज्ञात हो कि रामनवमी के अवसर पर खंभात में हुई हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इससे पहले मध्यप्रदेश के खरगोन में भी रामनवमी के अवसर पर भड़की हिंसा के आरोपियों और पत्थरबाजों की अवैध संपत्तियों को प्रशासन ने गिरा दिया था। बताया जाता है कि दरगाह के सामने स्थित दुकानों को पुलिस प्रशासन ने बुलडोजर चला कर तोड़ दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसबल तैनात की गई। इसके अलावा एसडीएम समेत तमाम बड़े अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों का कहना है कि ये संपत्तियां अवैध थीं और यहां आपराधिक गतिविधियां हो रही थीं। इसी वजह से एक्शन लिया गया।

मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा, ड्यूटी पर जींस-टीशर्ट-लोवर पहना तो लगेगा जुर्माना

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने सड़कों पर दौड़ती रोडवेज बसों का औचक निरीक्षण किया और ड्राइवर-कंडक्टरों के वर्दी में न होने पर चेतावनी दी तो विभागीय अफसर हरकत में आ गए। परिवहन विभाग के अफसरों ने हिदायत के साथ पत्र जारी किया है कि फील्ड और कार्यालय में ड्यूटी पर आने वाले रोडवेज कर्मियों को ड्रेस कोड का पालन करना होगा। निर्देशों में साफ कि जींस, टीशर्ट और नेकर-लोवर पहन कर ड्यूटी पर आने पर पाबंदी है। साथ ही चटकीले रंग और डिजाइन के परिधान की अनुमति कतई नहीं है। ऐसा करने वाले कर्मचारियों पर जांच के बाद कार्रवाई होगी। पहली बार ऐसे कर्मचारी पर 100 रुपये, दूसरी बार 200 रुपये और तीसरी बार 300 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। रोडवेज अधिकारियों ने कर्मचारियों से कहा कि वे वर्दी और नियमों का खास पालन करें। ड्राइवर वर्दी पहनकर ड्यूटी पर आएं। शेष कर्मचारी यदि वह कार्यालय व अन्य जगहों पर ड्यूटी को आते हैं तो फुलशर्ट-पैंट पहन कर आएं। रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक टीकेएस बिसेन ने रोडवेज कर्मचारियों संग बैठक कर परिवहन विभाग की ओर से जारी गाइडलाइन और अन्य निर्देशों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी।

राजनाथ की चीन को सख्त चेतावनी- भारत को अगर किसी ने छेड़ा तो वह छोड़ेगा नहीं

(एजेंसी)

चीन को सख्त संदेश देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर भारत को किसी ने नुकसान पहुंचाया तो वह भी बख्शेगा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक शक्तिशाली देश के तौर पर उभरा है और दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है। सिंह ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए अमेरिका को एक सूक्ष्म संदेश भी दिया कि भारत ''जीरो-सम गेम'' की कूटनीति में विश्वास नहीं करता और किसी एक देश के साथ उसके संबंध दूसरे देश की कीमत पर नहीं हो सकते। 'जीरो-सम गेम' उस स्थिति को कहा जाता है जिसमें एक पक्ष को हुए नुकसान के बराबर दूसरे पक्ष को लाभ होता है। रक्षा मंत्री भारत व अमेरिका के बीच वाशिंगटन डीसी में आयोजित 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में भाग लेने के लिए यहां आए थे। इसके बाद, उन्होंने हवाई और फिर सैन फ्रांसिस्को की यात्रा की। सिंह ने बृहस्पतिवार को सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए चीन के साथ सीमा पर भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाई गई वीरता का जिक्र किया। रक्षा मंत्री ने कहा, 'मैं खुले तौर पर यह नहीं कह सकता कि उन्होंने (भारतीय सैनिकों ने) क्या किया और हमने (सरकार ने) क्या फैसले लिए। लेकिन मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि (चीन को) एक संदेश गया है कि भारत को अगर कोई छेड़ेगा तो भारत छोड़ेगा नहीं।' पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच सीमा गतिरोध शुरू हो गया था। 15 जून, 2020 को गलवान घाटी में हुयी झड़पों के बाद गतिरोध और बढ़ गया। इन झड़पों में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। हालांकि चीन ने इस संबंध में कोई आधिकारिक ब्यौरा नहीं दिया। यूक्रेन युद्ध के कारण रूस के संबंध में अमेरिकी दबाव का कोई सीधा संदर्भ दिए बिना सिंह ने कहा कि भारत 'जीरो-सम गेम' कूटनीति में विश्वास नहीं करता है। उन्होंने कहा कि अगर भारत के किसी एक देश के साथ अच्छे संबंध हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि किसी अन्य देश के साथ उसके संबंध खराब हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'भारत ने कभी भी इस तरह की कूटनीति नहीं अपनाई है। भारत कभी भी इसे (इस तरह की कूटनीति) नहीं अपनाएगा। हम अंतरराष्ट्रीय संबंधों में 'जीरो-सम गेम' में विश्वास नहीं करते हैं।'सिंह ने कहा कि भारत ऐसे द्विपक्षीय संबंध बनाने में विश्वास करता है जिससे दोनों देशों को समान रूप से फायदा हो।

मनरेगा से 5 लाख गरीबों को योगी सरकार देगी लाभ

लखनऊ । अगर आप अपने गांव में खेती और पशुपालन से जुड़ा छोटा व्यवसाय कर रहे हैं तो सरकार आपको मनरेगा की व्यक्तिगत लाभार्थी योजना के तहत मदद करेगी। इस योजना में सरकार आपके कोराबार को बढ़ाने के लिए 2 लाख रु तक खर्च करेगी। सरकार ने इस योजना में 5 लाख गरीबों को लाभ देने का फैसला किया है। यूपी में मनरेगा योजना शुरू होने के बाद पहली बार लाभार्थीपरक कार्यों के लिए पांच लाख का लक्ष्य रखा है। इसका मूल उद्देश्य गरीबों को उनके गांव घर पर ही उनके द्वारा किए जा रहे छोटे-मोटे काम को बढ़ाने में सहयोग व सहायता मुहैया कराना है। जिससे सीधे तौर पर उनकी आय में वृद्धि होगी। ग्राम्य विकास विभाग के मुताबिक पिछले 5 साल में 6.63 लाख लाभार्थी परक काम कराए हैं।

- ये होंगे काम

मनरेगा के तहत लाभार्थीपरक कार्यों में मछली पालन के लिए तालाब का निर्माण, रेशम उत्पादन, बकरी शेड, मुर्गी पालन शेड, सूअर पालन के लिए बाड़े का निर्माण, कुएं का निर्माण, नाली-नलकूप, तालाब व झील का निर्माण, वर्मी कंपोस्ट पिट का निर्माण, फूलों की नर्सरी, किचेन गार्डेन, भूमि समतलीकरण व मेड़बंदी, भूमि कटाव रोकने के लिए सुरक्षा दीवार, भूमि समतलीकरण, वर्षा जल संग्रहण टैंक, पौधरोपण आदि शामिल हैं। इन सभी कामों को कराने के लिए मनरेगा के तहत अलग-अलग बजट तय किया गया है। हर योजना के लिए मॉडल इस्टीमेट है। इस्टीमेट में निर्माण सामग्री, मजदूरी सब कुछ शामिल होगा।

जम्मू-कश्मीर की पहली बटालियन ने अपनी 150वीं सालगिरह मनायी

जम्मू (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर की पहली बटालियन जिसने दोनों विश्वयुद्धों में हिस्सा लिया था ने यहां के डलहौजी मिलिट्री स्टेशन में अपनी 150वीं सालगिरह मनायी। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि इस बटालियन की स्थापना महाराजा रणबीर सिंह ने 13 अप्रैल 1873 में जम्मू के सतवारी लाइन्स में की थी। इस बटालियन को चुंछ की लड़ाई में दिखाई गई बहादुरी के लिए पुंछ के मुक्तिदाताज् की उपाधि प्रदान की गई। इस बटालियन को पुंछ युद्ध सम्मान और जम्मू-कश्मीर थियेटर सम्मान से सम्मानित किया गया है। रक्षा प्रवक्ता ने बताया, जम्मू-कश्मीर राइफल्स (रघुप्रताप) की पहली बटालियन ने 13 अप्रैल 2022 को अपना 150वां स्थापना दिवस डलहौजी मिलिट्री स्टेशन में मनाया। उन्होंने बताया कि उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और अवकाश प्राप्त अधिकारी इस समारोह में शामिल हुए, जो शुक्रवार तक चला। प्रवक्ता ने बताया कि बटालियान के नाम विशेष रिकार्ड है कि इसने दोनों विश्वयुद्धों में हिस्सा लिया और दोनों बार भारतीय मूल के अधिकारियों ने इसका नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि बटालियन ने पूरी दुनिया में कई युद्धों में अपनी वीरता का प्रदर्शन किया है और इसे पांच युद्ध सम्मान प्राप्त हुए हैं।

बेटे सहित भाजपा में शामिल होने की तैयारी में शिवपाल यादव

19 अप्रैल को भाजपा की सदस्यता लेंगे

लखनऊ ।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य और मुलायम सिंह यादव के भाई शिवपाल सिंह यादव ने अपना अगला कदम तय कर लिया है। उत्तरप्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही समाजवादी पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे शिवपाल ने अपनी अलग पार्टी भी बना ली थी, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के सिंबल पर विधायक बनने वाले खांटी नेता अब भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले हैं। मुलायम की छोटी बहू अपर्णा यादव के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले हैं। शिवपाल 19 अप्रैल को भाजपा की सदस्यता लेने वाले हैं। शिवपाल अपने पुत्र आदित्य यादव और हजारों समर्थकों के साथ शिवपाल भाजपा की सदस्यता लेने वाले हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश (जेपी) नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रभारी की मौजूदगी में शिवपाल अपने बेटे आदित्य यादव तथा समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले हैं। शिवपाल 19 अपैल को नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता लेने वाले हैं। इसके पहले शिवपाल ने शुक्रवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया की बैठक के अपनी सभी राज्य कार्य समितियों, राष्ट्रीय और राज्य कार्य प्रकोष्ठों और प्रवकतओं को भंग कर दिया है। उनके इस कदम को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव बीते कई दिन से उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारे में काफी चर्चा का विषय हैं। राजनीतिक पंडित इन दिनों इटावा के जसवंतनगर से समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव के हर कदम को परखने में लगे हैं कि उनका रुख किस ओर है।

अमेरिकी चेतावनी को दरकिनार कर भारत रुस से बढ़ाएगा

रुस को जरुरी सामानों का निर्यात करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबाव के बीच भारत ने रूस से व्यापार को बढ़ाने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि भारत रूस से अतिरिक्त दो अरब डॉलर का निर्यात बढ़ाने वाला है। रूस पर लगे प्रतिबंधों के कारण दोनों देश अपने व्यापार को स्थानीय मुद्रा में आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यूक्रेन पर हमले को लेकर अमेरिका और कई यूरोपीय देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं और कई जरूरी सामानों की शिपमेंट रोक दी है। भारत रूस को उन सामानों की शिपमेंट भेजने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाम न बताने की शर्त पर मामले से परिचित लोगों ने कहा कि भारत रूस को वहां चीजें देगा जो प्रतिबंधों के चलते अमेरिका और उसके सहयोगियों ने भेजना बंद कर दिया है। इन सामानों में दवाइयां, प्लास्टिक, जैविक और अकार्बनिक रसायन, घरेलू सामान, चावल, चाय और कॉफी जैसे पेय पदार्थ, दूध उत्पाद शामिल हैं।

वहीं रूस के तेल पर अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने प्रतिबंध लगाए हैं, जिससे उसके तेल की कीमतों में गिरावट आई है। इसके बाद रुस ने भारत को रियायती दरों पर तेल का ऑफर दिया है। भारत अपने ईंधन तेल का केवल 1-2 प्रतिशत तेल ही रूस से आयात करता है। भारत भी रूसी तेल के आयात बढ़ाने को राजी हो गया है, इसके बाद अमेरिका सहित कई देशों ने भारत की आलोचना की है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक वर्चुअल बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि भारत के ऊर्जा आयात में विविधता लाने के लिए अमेरिका मदद को तैयार है। व्यापार विभाग के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत रूस को जिन 20 आवश्यक वस्तुओं का निर्यात करता है, उनमें बढ़ोतरी कर सकता है। भारत रूस को 20 आवश्यक वस्तुओं के अलावा समुद्री उत्पाद, कपड़ा, जूते, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स भेजना चाहता है। फिलहाल, भारत रूस को कम से कम तीन अरब डॉलर का सामान निर्यात करता है। भारत द्वारा अमेरिका को निर्यात के मुकाबले ये बेहद कम है। भारत अमेरिका को 68 अरब डॉलर का निर्यात करता है। रूस को भारत का निर्यात अधिक हो सकता था लेकिन सामान ले जाने की अधिक लागत, स्वच्छता नियमों, भाषा अवरोध आदि कारणों से ये व्यापार बढ़ नहीं पाया है।

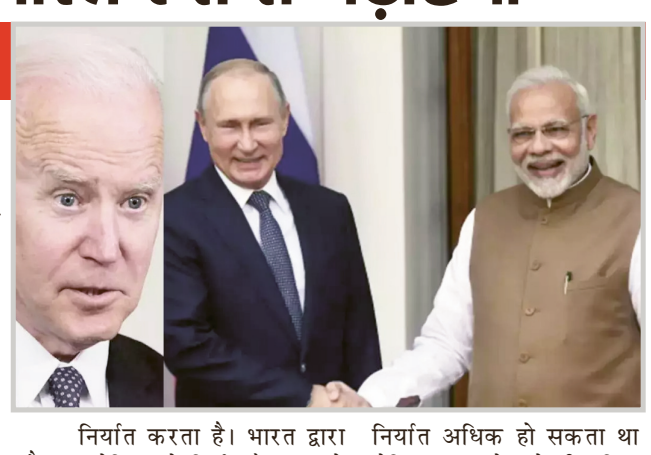

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए। - रामायण

संपादकीय

संक्रमण में फिर वृद्धि

जब कहीं लॉकडाउन नहीं है, जब स्कूल पूरी तरह से खुल गए हैं, तब कोरोना के मामलों का फिर से बढ़ना न केवल दुख, बल्कि चिंता की भी बात है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को कोविड-19 के 299 नए मामले दर्ज किए गए, मतलब संक्रमण में दो दिनों के भीतर 118 प्रतिशत की छलांग लग चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कोविड सकारात्मकता दर 2.49 फीसदी पहुंच गई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की बात करें, तो अनेक स्कूलों को कोरोना संक्रमण के चलते कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में 15 बच्चों सहित 40 लोग संक्रमित पाए गए हैं। जिले में सक्रिय मामलों की संख्या 121 हो गई है। गौर करने की बात है कि किसी भी स्कूल से शिकायत नहीं मिल रही है, जबकि संदेह की स्थिति में स्कूलों को सतर्क रहना चाहिए। जब बच्चे पांच से छह घंटे स्कूल में रह रहे हों, तब उनके स्वास्थ्य की चिंता स्कूलों को भी करनी चाहिए। बच्चों को यथोचित जांच के बाद ही स्कूलों में प्रवेश देना चाहिए, क्योंकि उनकी बड़ी संख्या टीकाकरण से अभी दूर है। संक्रमण के किसी भी लक्षण के प्रति स्कूलों को पर्याप्त सावधानी बरतने की जरूरत है। नोएडा में बुधवार को नए दिशा-निर्देश जारी हुए हैं और नई दिल्ली में शुक्रवार को जारी होने की संभावना है। बढ़ते मामलों के मद्देनजर स्कूलों से कहा गया है कि वे खांसी, सर्दी, बुखार, दस्त जैसे किसी भी लक्षण के नजर आने पर इलाज के लिए तत्काल सूचित करें। कुछ स्कूल तो फिर से ऑनलाइन पढ़ाई के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। वैसे, यह मौसमी बीमारियों का भी समय है। मौसम बदल रहा है, तो बच्चों को परेशानी हो सकती है, अत- जितनी जिम्मेदारी अभिभावकों की है, स्कूलों को भी उतनी ही सावधानी का परिचय देना होगा। लॉकडाउन की अब कोई आशंका नहीं है और गुंजाइश भी नहीं है, अत- स्कूलों को अपने स्तर पर संक्रमण रोकने के हरसंभव उपाय करते हुए परिसर में शैक्षणिक माहौल बनाना होगा। बढ़ते मामलों को सनसनीखेज बनाने के बजाय सावधानी पर ध्यान देना चाहिए, तभी हम किसी चौथी लहर को आने से रोक पाएंगे। यह महामारी कभी भी हमला बोल सकती है और टीकाकरण के बावजूद लोग संक्रमित हो रहे हैं, अत- मास्क, परस्पर दूरी, और हाथ धोते रहने का अभी भी कोई विकल्प नहीं है। अभी यूरोप और एशिया सहित दुनिया के अनेक इलाकों में संक्रमण के मामलों में नाटकीय वृद्धि देखी जा रही है। भारत में भी चौथी लहर की चर्चा होने लगी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के गणित और सांख्यिकी विभाग के एक अध्ययन में भविष्यवाणी की गई है कि इस साल जून में कोविड-19 की एक और लहर की आशंका है। वैसे आगामी लहर भारत के स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव नहीं डालेगी व पिछली लहरों की तुलना में कम घातक होगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर लोगों को ज्यादा सावधान रहना होगा। विशेषज्ञ डॉक्टर वीके पॉल ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत एक और संभावित लहर के लिए तैयार है। हालांकि, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) वेल्लोर के ख्यात वायरोलॉजिस्ट डॉक्टर टी जैकब जॉन ने शनिवार को कहा कि जब तक कोई दूसरा वायरस संस्करण नहीं आता, तब तक चौथी लहर की आशंका कम है। आशंका भले ही न्यूनतम हो, लेकिन किसी तरह का खतरा मोल नहीं लेना चाहिए, तैयारी रखनी चाहिए कि अधिकतम संक्रमण का भी हम आसानी से सामना कर सकें।

आज के कार्टुन

दुर्भावना

श्रीराम शर्मा आचार्य/ संसार-दुख-सागर है'-ऐसी मान्यता रखने वाले प्राय: वे ही लोग हुआ करते हैं, जो अपनी दुर्बलताओं के कारण संसार में सुख-दर्शन नहीं कर पाते। उनकी यह मान्यता ही बतलाती है कि वे कितने दुखी रहने वाले व्यक्ति होंगे। ऐसे व्यक्तियों के लिए संसार की प्रत्येक क्रिया-प्रतिक्रिया, प्रत्येक परिस्थिति तथा घटना दु:खदायी ही होती है-और होनी भी चाहिए। जिसका विश्वास बन चुका है कि संसार दुःख-सागर है, उसे इस दुनिया में सिवाय दु:ख के और क्या हाथ आ सकता है? ऐसी निराशापूर्ण भावना बना लेने वाला जीवन भर रोने, झींखने, चिढ़ाने और कुढ़ाने के अतिरिक्त और कर ही क्या सकता है? दूसरे को हंसते, खेलते, खाते-पीते, बोलते, बात करते और प्रसन्न रहते देख कर ईर्ष्या करता और मन ही मन जलता रहता है। ऐसे व्यक्ति को औरों का हंसना, बोलना अपने पर व्यंग्य मालूम होता है, अपना उपहास-सा प्रतीत होता है। हंसना, बोलना ही नहीं दूसरों का रोना-धोना भी उसे अच्छा नहीं लगता। किसी का हंसना, प्रसन्न होना तो ईर्ष्या के कारण नहीं भाता और खुद के दु:ख को उत्तेजित करने के कारण किसी के रोने-धोने में भी बुरा मानता है। नि:संदेह, ऐसे दु:ख-प्रवण व्यक्तियों का जीवन भयंकर अभिशाप बन जाता है। दु:खों के कारणों में दुर्भावनाएं भी बहु बड़ा कारण है। दुर्भावनाएं भयंकर रोग की तरह हैं। जिसको लग जाती हैं, जिसके हृदय में बस जाती हैं, उसे कहीं का नहीं रखतीं। दुर्भावना वाले व्यक्ति का जीवन प्रति क्षण दु:खी रहता है। दुर्भावनाओं में अधिकतर दूसरों का अहित करने का ही भाव निहित रहता है। दुर्भावनाओं वाला व्यक्ति किसी का थोड़ा-सा भी अभ्युदय नहीं देख सकता। किसी के अभ्युदय से अपनी कोई हानि न होने पर भी ऐसा व्यक्ति प्रयत्न करता है कि अमुक की उन्नति न हो, विकास न हो, उसे कोई सफलता न मिले। किंतु जो प्रयत्नशील है, परिश्रम कर रहा है उसकी उन्नति तो होती है। ऐसी दशा में रोड़े अटकाने, कोसने अथवा चाहने पर भी जब किसी की उन्नति नहीं रोक पाता तो दुर्भावी व्यक्ति के लिए जलने, कुढ़ने तथा दु:खी होने के अतिरिक्त और कोई चारा ही नहीं रह जाता। इस प्रकार दुर्भावना रखने वाला व्यक्ति दुहरा दु:ख पाता है-एक तो किसी का अहित चाहने पर भी उसकी असफलता तथा आत्म-प्रतारणा दंडित करती है, दूसरे जिसका उसने अहित चाहा उसकी उन्नति उसे दिन-रात चैन न लेने देगी।

यूक्रेन संकट से वैश्विक खाद्य सुरक्षा को खतरा

देविंदर शर्मा

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण उपरांत विश्व खाद्य बाजार को पुन: उथल-पुथल का सामना करना पड़ सकता है, जिससे दुनियाभर की खाद्य सुरक्षा पर संकट मंडराने की स्थिति बनेगी। हाल ही में ब्लूम्बर्ग मीडिया हाउस से बातचीत में विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक, डेविड बीस्ली ने स्वीकार किया है 'यूक्रेन में चलने वाली गोलियां और बम विश्व भूख सूचकांक में इस स्तर का संकट पैदा कर सकते हैं, जो इससे पहले हमने कभी देखा न हो'। वर्ष 2007-08 में छाए वैश्विक खाद्य संकट की वजह से वस्तुओं की निरंतर बढ़ती कीमतें नियंत्रण से बाहर हो गई थीं। इसके कारकों की कड़ी में- बढ़ता तेल मूल्य, उपज का एक बड़ा हिस्सा बायो-ईंधन उत्पादन में और वस्तुओं के ऊंचे वायदा मूल्य- जो सब आपस में जुड़े रहते हैं, इनकी वजह से न केवल वैश्विक खाद्य आपूर्ति में कमी हुई थी बल्कि 37 देशों में भोजन को लेकर दंगे तक हुए थे। इस स्थिति की पुनरावृत्ति न होने पाए, यह सुनिश्चित करने वाले निदान-उपाय करने के बावजूद युद्ध से पहले वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। वर्ष 2021 में खाद्य मूल्यों ने पिछले सभी रिकॉर्ड भंग कर दिए। इस बात के मद्देनजर कि जहां अन्य कारक एक फिर मजबूत होकर उभर रहे हैं, तिस पर काला सागर क्षेत्र में चले हुए युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला भंग हुई पड़ी है, जहां से विश्वभर की जरूरत का 30 प्रतिशत गेहूं, 28 फीसदी जौ, 18 प्रतिशत मक्का और 75 फीसदी सूरजमुखी तेल मिलता है, संसार के सामने एक बार फिर से गंभीर खाद्य संकट बनने लगा है। मुश्किल की तीव्रता कितनी रहेगी, यह समय बताएगा। खाद्यान्न को लेकर इराक और श्रीलंका में प्रदर्शन हो रहे हैं, इस बीच बहुत से देशों ने अपनी घरेलू खाद्य आपूर्ति सुरक्षित बनाए रखने की खातिर संरक्षणवादी उपाय अपना लिए हैं। जैसा कि ब्लूम्बर्ग ने सही पहचाना है 'मौजूदा हालात के परिणामस्वरूप खाद्य संकट मंडराएगा, और ज्यादा लोग भुखमरी का सामना करेंगे'। खाद्य वस्तुओं की कीमतें पहले ही ऊपर उठने और सुपर-मार्किटों की शेल्फों से सामान घटने से खाद्य सुरक्षा लगातार संकट में पड़ती जा रही है। रूस पर अमेरिका द्वारा लगाए प्रतिबंधों के कारण, खाद की कीमतें भी बढ़ी हैं। रूस दुनिया में नाइट्रोजन खाद का सबसे बड़ा निर्यातक तो है ही, फास्फोरस और पोटाश युक्त खाद उत्पादन में भी इस इलाके का दबदबा है। इससे भारत समेत बहुत से देशों में किसान की उत्पादन लागत में इजाफा होने का आशंका है। आगामी फसलों की बुवाई प्रभावित होगी, अतएव खाद्य उपलब्धता पर असर पड़ेगा। महत्वपूर्ण है कि न केवल खाद्यान्न की कमी से बल्कि इनको खरीदने की क्षमता से तय होगा कि संकट किस कदर गहरा होगा। इसी बीच मध्य पूर्व, हॉर्न ऑफ अफ्रीका समेत उत्तर अफ्रीका और अफगानिस्तान जैसे मुल्कों पर सबसे पहले मार पड़ने की आशंका है। भोजन को लेकर अफ्रीका महाद्वीप में मिस्र, मेडागस्कर, मोरक्को, ट्यूनीशिया, यमन और एशिया में पड़ते लेबनान, इंडोनेशिया, फिलीपींस, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तुर्की, ईरान और इराक सबसे कमजोर मुल्कों में आते हैं क्योंकि इनकी खाद्यान्न आपूर्ति युद्ध-ग्रस्त क्षेत्र पर निर्भर है। यूरोपियन यूनियन में पशुओं के चारे की बढ़ती कीमतों ने पशुपालन उद्योग को प्रभावित किया है,इससे मीट का मूल्य बढ़ गया है। स्पेन ने सुपर मार्किटों में खाद्य-तेल की राशनिंग लागू कर दी है। यदि यूक्रेन युद्ध जरा भी लंबा खिंचा तो बढ़ती खाद्य कीमतों का असर बिना शक सभी देशों को प्रभावित करेगा। लड़ाई से पहले भी गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई छू गई थीं। तथ्य है कि जिन वस्तुओं का व्यापार ज्यादा होता है, पिछले कुछ सालों से उनका मूल्य बढ़ता चला गया है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के मुताबिक वर्ष 2021 में गेहूं और जौ की कीमतों में पिछले साल (2020) की तुलना में 31 फीसदी इजाफा हुआ। मक्का की कीमत भी पिछले वर्ष की तुलना में 44 फीसदी अधिक रही। इसी तरह 2021 में सूरजमुखी तेल के मूल्य में भी रिकॉर्ड 63 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस साल मार्च महीने के पहले सप्ताह में ही गेहूं की कीमतों ने वह स्तर छू लिया, जो 2008 के खाद्य संकट के वक्त रहा था। विश्व खाद्य संगठन के दो अनुमानों के अनुसार, पहले से ऊंचाई छू गए इन मूल्यों में और 22 प्रतिशत वृद्धि होने की आशंका है, इससे वर्ष 2022-23 में कुपोषितों की संख्या में आगे 80 लाख से 1.3 करोड़ लोगों का इजाफा हो सकता है। भूख और कुपोषण का प्रकोप अधिकांशत: एशिया-प्रशांत, उप-सहारा अफ्रीका और मध्य-पूर्व एशिया के क्षेत्र में बढ़ेगा। इधर भारत में खाद्यान्न निर्यातक आपूर्ति में बने फर्क को भरने के लिए तैयारी कर रहे हैं, आईटीसी कंपनी को उम्मीद है कि आने वाले सालों में गेहूं का निर्यात बढ़कर लगभग 2.1 करोड़ टन छू लेगा। यहां मुझे हैरानी यह हुई है कि जो लोग देश के किसान को साल-दर-साल फालतू उत्पादन करने के लिए कोस रहे थे, अब वैश्विक मांग में बने इस बहुत बड़े फर्क का अवसर भुनाने के लिए बेताब हुए जा रहे हैं। न ही अब वे चिंतातुर आवाजें सुनाई दे रही हैं जो भारत से बड़ी मात्रा में खाद्यान्न, मेवे और दाल उत्पादन निर्यात को एक तरह से देश के 'पानी का निर्यात' ठहराते थे। जैसा कि पहले बताया है, विश्व किसी भी सूरत में अन्य खाद्य संकट की ओर बढ़ रहा है। तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और मुद्रा स्फीति में भी तेज बढ़ोतरी जारी है, खाद्य मूल्य पहले ही बहुत ऊपर हैं, पिछले 40 सालों में सबसे अधिक और बायो-ईंधन- जो फसल से बनता है- उसके उत्पादन में इजाफा हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, न्यू साईंटिस्ट पत्रिका की खबर के अनुसार, अमेरिका में, मक्का की हर तीसरी संपूर्ण उपज इथानॉल उत्पादन करने में खप जाती है, जो लगभग 9 करोड़ टन है, वहीं यूरोपियन यूनियन में 1.2 करोड़ टन गेहूं और चावल को इथानॉल में परिवर्तित किया जाता है। इस सब के बीच, अमेरिका ने कुछ मध्यस्थ कंपनियों को रूस से व्यापार जारी रखने की इजाजत दी है। हालांकि बड़ी कृषि उत्पाद कंपनियों जैसे कि कारगिल, नेस्ले, आर्चर डेनियल मिडलैंड, पेप्सीको और बायर ने वहां अपनी गतिविधियां घटा दी हैं, हालांकि इन्होंने भी अति-महत्वपूर्ण वस्तुओं की आपूर्ति कायम कर रखी है। इससे सवाल पैदा होता है कि क्यों खाद्य सुरक्षा को चंद बड़े खिलाड़ियों का खेल बनाया जा रहा है। यहीं पर आकर दुनिया को वर्ष 2007-08 में बने खाद्य संकट की पुनरावृत्ति से बचाने की कवायद गलत हो जाती है। खाद्यान्न पाने के लिए जो वैश्विक आपाधापी आज हम देख रहे हैं वह मुख्यत: इसलिए है कि क्योंकि मुल्कों को सिखाया गया कि वे अपनी खाद्य-आत्मनिर्भरता बनाने से दूर रहें। प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के नाम पर बनाई गई खाद्य आपूर्ति श्रृंखला व्यवस्था ने मौजूदा संकट पैदा किया है। इस विपत्ति से सबक लेते हुए, अपनी निर्भरता बाहरी मंडियों पर घटाने और कृषि को व्यवहार्य बनाने की फौरी जरूरत है। हम डॉ. एमएस स्वामीनाथन के ये शब्द न भूलें 'राष्ट्रों का भविष्य खाद्यान्न से है... न कि बंदूक से'।

लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

अदम्य साहस और शौर्य के प्रतीक डॉ. नरोत्तम मिश्रा

(लेखक-डॉ. दुर्गेश केसवानी)

लोकतंत्र में सत्ता का खेल बड़ा अजीब होता है। यहाँ बहुमत के खेल से ही सरकारें बनती है और सरकारें गिरती भी है। अपनी सरकार को बचाए रखना एक कुशल नेता के लिए सबसे बड़ी चुनौति होती है। बात हम मध्यप्रदेश के परिपेक्ष में करें तो यहाँ एक नेता सबकी नज़रों में रहता है। जो न सिर्फ लोकतांत्रिक प्रणाली को समझता है बल्कि संसदीय ज्ञान में भी उनका कोई सानी नहीं है। हम बात कर रहे है डॉ. नरोत्तम मिश्रा की, जिनकी गिनती लोकतांत्रिक प्रणाली का ज्ञान रखने वाले उन पंडितों में होता है जो मुश्किलों में फंसी सरकार के लिए हमेशा संकटमोचन का काम करते रहे है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा की गिनती प्रदेश की राजनीति में अपनी एक अलग धमक रखने वाले नेता के रूप में होती है। नर सेवा को ही नारायण सेवा समझने वाले डॉ. नरोत्तम मिश्रा को ऐसे ही लोग अदम्य साहस और शौर्य का प्रतीक नहीं कहते है। जनता की सेवा में हमेशा तत्पर रहने वाले डॉ. नरोत्तम मिश्रा की वह तस्वीर कभी नहीं भुलाई जा सकती जब वह बाढ़ में फंसे लोगो को बचाने के लिए खुद ही अपने प्राणों की परवाह किए बिना बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों को बचाने के लिए उतर जाते है। बात पिछले साल अगस्त 2021 की है प्रदेश का ग्वालियर-चंबल संभाग की नदिया उफान पर थी। ऐसी भयानक बाढ़ की पुल तक बह गए। सरकार में मंत्री होने के नाते दतिया जिले में वह हवाई दौरा करने के दौरान जब उन्होंने कोटरा गांव के एक घर की छत पर कुछ लोगों को फंसे हुए देखा तो खुद लोगो को बचाने के लिये नाव से निकल गए। जिसके बाद वहां से सभी को एयरलिफ्ट कर हेलीकॉप्टर से सुरक्षित निकलवाया गया। उस समय उन्होंने तनिक भी अपने प्राणों की परवाह नहीं की और यह भी नहीं सोचा की उनकी इस दौरान जान भी जा सकती है। यही उनका अदम्य साहस और शौर्य है जो उन्हें अन्य राजनीतिज्ञों से अलग बनाता है। मध्यप्रदेश की राजनीति में अपने काम और व्यवहार से लोकप्रियता हासिल करने वाले प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा अपने विधानसभा क्षेत्र दतिया में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में एक लोकप्रिय नेता बनकर उभरे हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने प्रदेश की राजनीति में अपनी कुशल वाकपटुता के आधार पर एक अलग पहचान बनाई है। नरोत्तम मिश्रा के हाजिर जवाब को शायराना अंदाज की वजह से लोग उन्हें काफी पसंद करते हैं। 15 अप्रैल, 1960 को ग्वालियर में डॉ. शिवदत्त मिश्रा के यहाँ जन्में है डॉ. नरोत्तम मिश्रा एम.ए.,पी.एच.डी. हैं तथा कविता में उनकी विशेष अभिरूचि हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक जीवन बात करें तो छात्र जीवन से वह एक कुशल नेतृत्वकर्ता रहे है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा 1977-78 में जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के छात्रसंघ के सचिव एवं सन् 1978-80 में मध्यप्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रान्तीय कार्यकारिणी के सदस्य रहे। डॉ. मिश्रा वर्ष 1985-87 में मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी की प्रान्तीय कार्यकारिणी के सदस्य रहे। वे साल 1990 में 9वीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए तथा लोक लेखा समिति के सदस्य रहे। डॉ. मिश्रा वर्ष 1990 में विधान सभा में सचेतक तथा वर्ष 1990 से जीवाजी विश्वविद्यालय की महासभा के सदस्य भी रहे। डॉ. नरोत्तम मिश्रा वर्ष 1998 में दूसरी बार तथा वर्ष 2003 में तीसरी बार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। उन्हें 01 जून, 2005 को तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर के मंत्रिमण्डल में राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया। मिश्रा को 04 दिसम्बर, 2005 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने भी मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शामिल किया। डॉ. नरोत्तम मिश्रा को 28 अक्टूबर 2009 को पुन: शिवराज सिंह चैहान के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इसके बाद जब 2013 में भाजपा की सरकार बनी तब भी उन्हें शिवराज सिंह चैहान ने अपने कैबिनेट में मंत्री बनाया। नरोत्तम मिश्रा ने 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने डॉ. नरोत्तम मिश्रा को अभी तक जो भी जिम्मेदारी दी है उन्होंने उसका बाखूबी निभाया है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा मध्यप्रदेश भाजपा के उन नेताओं में सुमार है जो केन्द्रीय नेतृत्व की नज़रों में अपनी विश्वानीयता रखते है। ऐसा माना जाता है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उन पर आंख मूंद कर विश्वास करते करते है। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारणी में मध्यप्रदेश से छह नेताओं को शामिल किया गया उनमें नरोत्तम मिश्रा का शामिल होना इस ओर इशारा करता है कि वह केन्द्रीय नेतृत्व के न सिर्फ करीब है बल्कि पार्टी की रीति और नीति को समझने के साथ ही पार्टी के उन विश्वस्त नेताओं में एक है जो वास्तव में अपनी पार्टी को माँ का दर्जा देता है। यह किसी से छुपा नहीं है कि 2018 में भाजपा की सरकार जाने के बाद भी पूरी सक्रियता से पार्टी और जनता के लिए काम करने वाले डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने किस तरह दोबार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डॉ. नरोत्तम मिश्रा को भाजपा का संकटमोचक भी कहा जाता है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान नरोत्तम मिश्रा को भाजपा का हीरा और हीरो कहते हैं। मिश्रा अपने आकर्षक परिधान की वजह से हमेशा चर्चा में रहते है। वह अपने विधानसभा क्षेत्र में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में एक लोकप्रिय नेता के रूप में उभरकर सामने आए हैं। डॉ. मिश्रा जनमानस के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहते हुए, जरूरतमंदों की मदद कर उनके दिलों में अपनी अलग ही छवि निर्मित की है। उन्हें सरकार में जो भी दायित्व मिला उन्होंने उस दायित्व को भी बुलंदियों पर पहुंचाया है। चाहे डॉ. मिश्रा स्वास्थ्य मंत्री रहे हों या जल संसाधन मंत्री या फिर वह जनसंपर्क मंत्री हर विभाग में उन्होंने मील का पत्थर गाढ़ा है। गृह मंत्री के रूप में वह प्रदेश की कानून व्यवस्था संभालते हुए लोक कल्याण की भावना से काम कर रहे है। डॉ. मिश्रा अपने माता-पिता से मिले अपने नाम को वास्तविकता में चरितार्थ कर रहे है यानि नरोत्तम जिसका मतलब होता है जो इस मनुष्य जाति में श्रेष्ठ और वह नर सेवा ही नारायण सेवा के जरिए उसे श्रेष्ठ बनाए हुए है।

लेखक- भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता है।

सू-दोकू नवताल -2092

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

सू-दोकू - 2091 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2092

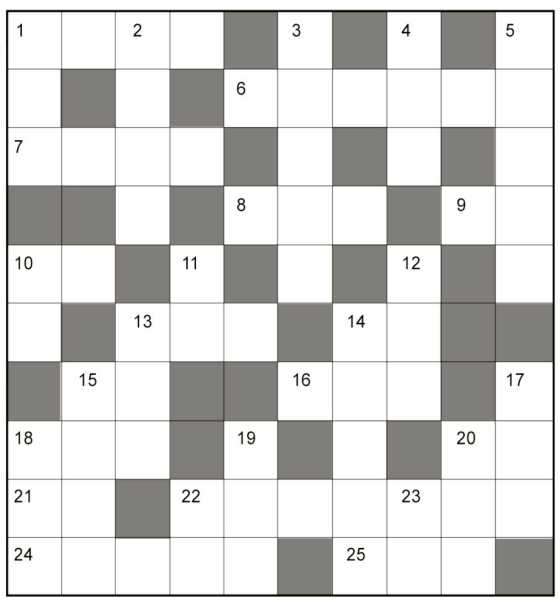

बायें से दायें:-

1. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका चोपड़ा की 'आंखें बंद करके' गीत वाली फिल्म-4
6. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ बच्चन, लक्ष्मी छाया की फिल्म-2,1,3
7. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
8. 'अब तेरे दिल में आ गए हम' गीत वाली अक्षय कुमार, माधुरी दीक्षित की फिल्म-3
9. गुरु दत्त, वहीदा रहमान की 'जाने वो कैसे लोग थे जिनके प्यार को प्यार मिला' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अगर मैं कहूं' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
13. फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की 'तेरे चेहरे में वो जादू है तेरी ओर खिंचा आता हूं' गीत वाली फिल्म-3
14. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
15. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-2
16. 'शबनम का ये कतरा है' गीत वाली राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-3
18. प्रदीप कुमार, मीना कुमारी की 'कभी तो मिलेगी कहीं तो मिलेगी बहारों की मंजिल' गीत वाली फिल्म-3
20. 'ओढ़ के अंधेरा मैं जो' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2
21. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी ?-2
22. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की 'दिल की महफिल सजी है चले आइये' गीत वाली फिल्म-2,2,3
24. 'पिघलता हुआ' गीत वाली आरिफजकारिया, शाहबाज, किरण खेर, तब्बू, रीता गांगुली की फिल्म-5
25. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे ये बात किसी से मत कहना' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'बेचैन मेरा दिल है' गीत वाली मिथुन, जॉन अब्राहम, अर्जुन रामपाल, राहुल खन्ना, मनीषा, लारा दत्ता की फिल्म-3
2. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की 'शहरों की गलियों में जब अंधेरा' गीत वाली फिल्म-2,2
3. 'ये वक्त ना खो जाये' गीत वाली जीतेंद्र, रेखा, शबाना आजमी की फिल्म-2,2,1
4. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी तो जमीं पर आ' गीत वाली फिल्म-3
5. 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-2,1,2
10. सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की 'आके भर लो बाजुओं में' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ श्रीदेवी, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
12. गोविंदा, करिश्मा कपूर की 'सिलसिला शुरू हुआ यहां से वहां तक' गीत वाली फिल्म-3
13. 'खुदा भी आसमां से जब जमीं पर देखता होगा' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वहीदा की फिल्म-3
14. जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली फिल्म-2,3
15. गोविंदा, आदित्य पंचोली, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
17. 'देखो मेरा दिल मचल गया' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-3
18. अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-3
19. 'मेरा दिल भी कितना पागल है' गीत वाली संजय दत्त, सलमान खान, माधुरी की फिल्म-3
20. संजीव कुमार, शशि कपूर, वहीदा रहमान, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
22. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-2
23. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2091

वि	द्या	बा	ल	न		आ	शि	क	
वा		द		ज	मी	न		शि	वा
ह	मे	शा		र	ना		जो	श	
		ह	सी	ना		का	शी		डॉ
इ	श्क		मा		ना		ले	कि	न
श्क		शै		श	र	बी		ला	
वि	धा	ता		बा	ज		फि		आ
श्क		न	का	ब		ना	जा	य	ज
	फ		ल		दा	दा		हू	
टा	र्ज	न		सं	ता	न		दी	पा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत जल्द बनेगा 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के बजट में पूंजी व्यय पर जोर से विनिर्माण को गति मिलेगी और कर राजस्व संग्रह बढ़ेगा। इससे भारत 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर रहेगा। मंत्रालय के अनुसार बीते वित्त वर्ष 2021-22 में कर राजस्व रिकॉर्ड 34 प्रतिशत बढ़कर 27.07 लाख करोड़ रुपए रहा। यह कोविड-19 की तीन लहरों के बाद अर्थव्यवस्था में तीव्र पुनरुद्धार को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय ने कहा` कि केंद्र सरकार का भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने पर जोर है और इस दिशा में कई कदम उठाये गए हैं। यह हाल के वर्षों में देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि में दिखता है। इन उपायों से सरकारी खजाने के लिए राजस्व संग्रह बढ़ा है। साथ ही भारत इससे 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के रास्ते पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक आर्थिक ताकत बनाने की परिकल्पना की थी। देश का जीडीपी 2021-22 में लगभग 3,000 अरब डॉलर होने का अनुमान है। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 के कारण जरूर कुछ समय के लिए अर्थव्यवस्था को झटका लगा लेकिन सरकार ने हाल के वर्षों में बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर को 10 प्रतिशत से ऊपर कायम रखा है। जीएसटी (माल एवं सेवा कर) देश के जीडीपी को आगे बढ़ाने को लेकर एक बड़ा कदम रहा है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने फिर बढ़ाए उत्पादों के दाम

मुंबई ।

दैनिक उपभोग वाली वस्तुओं की दिग्गज कंपनी ने हिंदुस्तान यूनिलीवर ने अप्रैल में एक बार फिर अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ा दी है। कंपनी ने साबुन और डिटर्जेंट की कीमतों में 3 से 20 प्रतिशत का इजाफा किया है। गौरतलब है कि कच्चे माल की अधिक लागत का मुकाबला करने के लिए लक्स की इस विनिर्माता ने वित्त वर्ष 21 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही से कीमत वृद्धि का सहारा लिया है। कंपनी ने इस तिमाही में तीनों महीनों में दाम वृद्धि की थी। फरवरी में कंपनी ने एक से अधिक किश्तों में विभिन्न उत्पादों की कीमतों में इजाफा किया था, जो तीन से 13 प्रतिशत के दायरे में था। कंपनी ने अपने मार्जिन पर कच्चे माल की अधिक कीमतों की चोट से बचने के लिए दामों में यह बढ़ोतरी की थी। फरवरी में इसने विभिन् उत्पादों में कीमतों में बढ़ोतरी की थी, जिनमें लक्स, लाइफबॉय, डव शैम्पू, किसान जैम, हॉर्लिक्स, पेप्सोडेंट, सर्फ एक्सेल और विम बार शामिल थे।

रूस के हमले से 186 देशों की आर्थिक स्थिति में आई गिरावट: आईएमएफ

वाशिंगटन । आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जिवा ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण 186 देशों की आर्थिक स्थिति में गिरावट आई है। युद्ध ने ऊर्जा और अनाज के वैश्विक व्यापार को बाधित किया है। अफ्रीका और पश्चिम एशिया में खाने के सामान की कमी का खतरा है। यूक्रेन युद्ध और महंगाई से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आगाह किया कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध से दुनिया के ज्यादातर देशों की आर्थिक संभावनाएं कमजोर पड़ रही हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण 186 देशों की आर्थिक स्थिति में गिरावट आई है। उन्होंने कहा` कि 2020 की महामारी के कारण उत्पन्न मंदी से अर्थव्यवस्थाओं में अप्रत्याशित और मजबूत सुधार हुआ है। इसने कंपनियों को अचंभित किया और वे मजबूत ग्राहक मांग को पूरा करने में असमर्थ रहीं, जिससे कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा, ऊंची महंगाई को देखते हुए विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं।

मारुति सुजुकी ने नया अर्टिगा मॉडल बाजार में उतारा

नई दिल्ली । कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को अपना नया मॉडल अर्टिगा बाजार में उतारा। इसकी कीमत 8.35 से 12.79 लाख रुपए के बीच रखी गई है। अर्टिगा के नए संस्करण में 1.5 लीटर का पेट्रोल इंजन है और यह मैनुअल तथा ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से युक्त है। कंपनी ने इस वाहन के सीएनजी संस्करण को भी बाजार में उतारा है। नई अर्टिगा में हाइब्रिड टेक्नोलॉजी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि भारतीय वाहन क्षेत्र में दस साल पहले जब अर्टिगा उतारी थी तो वह भी महत्वपूर्ण पल था। इसने एक नया खंड तैयार किया था जो 4.7 फीसदी की सालाना चक्रीय वृद्धि दर से बढ़ रहा है। नेक्स्ट जनरेशन अर्टिगा में आधुनिक प्रौद्योगिकी खूबियां, नया इंजन और पूरी तरह से नया ट्रांसमिशन है। यह मॉडल पेट्रोल और सीएनजी विकल्पों में उपलब्ध है। कंपनी का मानना है कि इस गाड़ी का एवरेज 20.51 किलोमीटर प्रति लीटर (पेट्रोल) और 26.11 किलोमीटर प्रति लीटर (सीएनजी) है।

नेपाल के वित्त मंत्री ने प्रवासियों से देश में डॉलर खाते खोलने का कहा

काठमांडू । नेपाल सरकार ने विदेशों में रह रहे नेपालियों से कहा है कि आर्थिक संकट से गुजर रहे अपने देश के बैंकों में वे डॉलर खाते (विदेशी मुद्रा खाते) खुलवाएं और निवेश करें। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण पर्यटन घटने से नेपाल के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई है। प्रवासी नेपाली संघ (एनआरएनए) द्वारा आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम में नेपाल के वित्त मंत्री जनार्दन शर्मा ने कहा कि प्रवासी नेपालियों द्वारा नेपाल के बैंकों में डॉलर खाते खोलने से देश को विदेशी मुद्रा की कमी के संकट से उबरने में मदद मिलेगी। यदि 1,00,000 प्रवासी नेपाली देश के बैंकों में 10,000 डॉलर की दर से खाते खोलते हैं तो नकदी की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास अगले छह से सात महीने के लिए माल एवं सेवाएं खरीदने के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा है। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय बैंक के पास 9.58 अरब डॉलर का कोष है। उन्होंने कहा कि नेपाल आने वाले पर्यटकों को निःशुल्क वीजा देने के बारे में चर्चा चल रही है जो प्रवासियों के लिए भी सरल होगी।

मारुति सुजुकी अर्टिगा 2022 को कई अपडेट के साथ लांच

मुंबई । मारुति सुजुकी अर्टिगा 2022 को कई अपडेट के साथ लांच किया गया है। इस एमपीवी की शुरुआती कीमत 8.35 लाख रुपये रखी गई है, जबकि टॉप वेरिएंट जेडएक्सआई प्लस की कीमत 12.79 लाख (एक्स शोरूम) है। यह पहली बार है, जब अर्टिगा के टॉप वेरिएंट में भी सीएनजी का ऑप्शन दिया जाएगा। अपडेटेड अर्टिगा के लुक और फीचर्स को भी अपडेट दिया गया है। अर्टिगा को पहली बार 2012 में भारत में लांच किया गया था। यह अक्सर देश में टॉप-10 बिकने वाली कारों की लिस्ट में शामिल रहती है। कंपनी इसकी सात लाख से ज्यादा यूनिट्स को बेच चुकी है। इस एमपीवी के लिए प्री-बुकिंग इस महीने की शुरुआत में 11,000 रुपये में शुरू हुई थी। एमपीवी चार वेरिएंट्स-एलएक्सआई, वीएक्सआई, जेडएक्सआई और जेडएक्सआई प्लस में लाई गई है। मारुति सुजुकी एर्टिगा 2022 में बेहतर के-सीरीज 1.5-लीटर डुअल वीवीटी इंजन दिया गया है। पेट्रोल इंजन को 5-स्पीड मैनुअल यूनिट और एक नए 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक यूनिट के साथ जोड़ा गया है। ऑटोमैटिक गियरबॉक्स में पैडल शिफ्टर्स भी मिलते हैं। पहले इसमें 4-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर का ऑप्शन मिलता था।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में रही गिरावट

- सेंसेक्स 237.44 अंक की गिरावट के साथ 58,338.93 पर बंद
- निफ्टी 54.65 अंक नुकसान के साथ 17,475.65 पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक स्तर पर मिलेजुले रुख के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के साथ एचडीएफसी` लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक में गिरावट से शेयर बाजार लगातार तीसरे` दिन बुधवार को ` गिरावट के साथ बंद हुए। इस सप्ताह पांच कारोबारी` दिनों में से शेयर बाजार में केवल तीन` दिन ही कारोबार हुआ, क्यों कि गुरुवार को भगवान महावीर की जयंती और संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती तथा शुक्रवार को गुड फाइडे पर अवकाश रहने से शेयर बाजार में कारोबार नहीं हुआ। सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 398.98 अंक टूटकर 59,048.20 पर खुला और 482.61 अंक की गिरावट के साथ 58,964.57 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 94.6 अंक गिरकर 17,689.75 पर खुला और 109.40 अंक टूटकर 17,674.95 पर बंद हुआ। कमजोर वैश्विक रूझानों और विदेशी कोषों की बिकवाली के चलते सेंसेक्स मंगलवार को 470.59 अंक गिरकर 58,493.98 पर खुला और 388.20 अंक की गिरावट के साथ 58,576.37 पर बंद हुआ। निफ्टी 137.7 अंक टूटकर 17,537.25 पर खुला और 144.65 अंक की गिरावट के साथ 17,530.30 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा इंफोसिस जैसे बड़े शेयरों के लाभ में जाने से बुधवार को सेंसेक्स 349.66 अंक बढ़कर 58,926.03 पर खुला और 237.44 अंक की गिरावट के साथ 58,338.93 पर बंद हुआ। निफ्टी 109.85 अंक चढ़कर 17,640.15 पर खुला और 54.65 अंक नुकसान के साथ 17,475.65 पर बंद हुआ।

भारत को मिस्र ने गेहूं आपूर्तिकर्ता के रूप में मंजूरी दी: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

अप्रैल 2021 से जनवरी 2022 के बीच भारत का गेहूं निर्यात बढ़कर 1.74 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यूक्रेन और रूस से गेहूं का सर्वाधिक आयात करने वाले देश मिस्र ने भारत को गेहूं आपूर्तिकर्ता के रूप में मंजूरी दी है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक बाजारों में गेहूं की उपलब्धता में तेजी से गिरावट आई है। ये दोनों ही देश गेहूं के प्रमुख उत्पादक और निर्यातक हैं।

मिस्र ने 2020 में रूस से 1.8 अरब डॉलर का और यूक्रेन से 61.08 करोड़ डॉलर के गेहूं का आयात किया था। अब मिस्र भारत से 10 लाख टन गेहूं का आयात करना चाहता है और अप्रैल में उसे 2,40,000 टन गेहूं की आवश्यकता होगी। गोयल ने ट्वीट किया कि भारतीय किसान दुनिया का पेट भर रहे हैं। मिस्र ने भारत को गेहूं आपूर्तिकर्ता के तौर पर मंजूरी दी है।

दुनिया सतत खाद्य आपूर्ति के भरोसेमंद वैकल्पिक स्रोत की खोज में है, ऐसे में मोदी सरकार आगे आई है। हमारे किसानों ने भंडारों को भरा रखा और हम दुनिया की सेवा करने के लिए तैयार हैं। अप्रैल 2021 से जनवरी 2022 के बीच भारत का गेहूं निर्यात बढ़कर 1.74 अरब डॉलर का हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 34.017 करोड़ डॉलर था। 2019-20 में गेहूं निर्यात 6.184 करोड़ डॉलर का था जो 2020-21 में बढ़कर 54.967 करोड़ डॉलर हो गया था।

भारत गेहूं का निर्यात मुख्य रूप से पड़ोसी देशों को करता है जिनमें सर्वाधिक 54 फीसदी निर्यात बांग्लादेश को किया जाता है। भारत ने यमन, अफगानिस्तान, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों के नए गेहूं बाजार में भी प्रवेश किया है। 2020-21 में भारत से गेहूं का आयात करने वाले शीर्ष दस देशों में बांग्लादेश, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, यमन, अफगानिस्तान, कतर, इंडोनेशिया, ओमान और मलेशिया हैं।दुनिया के कुल गेहूं निर्यात में भारत की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम है। हालांकि उसकी हिस्सेदारी 2016 में 0.14 प्रतिशत से 2020 में बढ़कर 0.54 प्रतिशत हो गई थी। भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और दुनिया में 2020 में गेहूं के कुल उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी करीब 14.14 फीसदी थी। भारत सालाना करीब 10.759 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन करता है और ज्यादातर खपत घरेलू स्तर पर ही हो जाती है।

टाटा ला रहा नया नियो ऐप, खरीद सकेंगे कार तक

नई दिल्ली ।

देश के प्रतिष्ठित संस्थान टाटा समूह आपके लिए नया ऐप ला रहा है जो आपकों घर बैठे नई कार भी खरीदवा देगा। पहले इस काम में कितना झंझट होता है, पहले कारों को कंपेयर करो, फिर एक शोरूम से दूसरे, दूसरे से तीसरे पर जाओ। ऑफिस के बिजी शेड्यूल के बीच इस काम में आपके दो-तीन वीकेंड तो खराब हो ही जाते हैं, लेकिन अब आपको टेंशन लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि टाटा ग्रुप के लिए बड़ी तैयारी की है। अब कार खरीदना मोबाइल फोन से स्मार्टफोन खरीदने जितना आसान बनने जा रहा है। हाल में टाटा ग्रुप ने एक सुपर ऐप टाटा नियो लॉन्च की है। अब कंपनी इसी ऐप पर अपने पैसेंजर व्हीकल्स की सेल भी करने वाली है। इसके लिए टाटा मोटर्स ने पूरी तैयारी कर ली है और पैसेंजर व्हीकल के पोर्टफोलियो को टाटा की इस नई ऐप के साथ इंटीग्रेट किया जा रहा है। टाटा नियो की मालिक कंपनी टाटा डिजिटल के एक सीईओ प्रतीक पाल ने जानकारी दी कि टाटा मोटर्स को कंपनी के अन्य ब्रांड की तरह नियो प्लेटफॉर्म पर लाने का काम चल रहा है। इसे अगले कुछ महीनों में तनिष्क, टाइटन, एयर इंडिया और ताज होटल्स की तरह इस ऐप से जोड़ दिया जाएगा। टाटा ग्रुप ने 7 अप्रैल को ही अपनी सुपर ऐप टाटा नियो लॉन्च की है। इसे लेकर मार्केट में काफी बज बना हुआ है। इस ऐप की खासबात ये है कि आपकी रोजमर्रा की लगभग सभी जरूरतें इस ऐप पर पूरी हो जाती हैं। टाटा ग्रुप अलग-अलग सेगमेंट में काम करने वाली कंपनी है और उसकी इसी एक ऐप पर आप ग्रॉसरी से लेकर एयर ट्रैवल के टिकट तक बुक कर सकते हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बढ़ाई वाहनों की कीमत

मुंबई ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने सभी मॉडलों की कीमत में 2.5 फीसदी बढ़ोतरी कर रही है, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। वाहन कंपनी ने कहा कि इस वृद्धि के बाद उसके विभिन्न मॉडलों के शोरूम दाम 10,000 रुपए से 63,000 रुपए तक बढ़ जाएंगे। कंपनी ने कहा कि इस्पात, एल्युमीनियम जैसे महत्त्वपूर्ण जिंसों के दाम बढने की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ा है। वह जिंस कीमतों में हुई वृद्धि का बड़ा बोझ खुद वहन करने का प्रयास कर रही है और ग्राहकों पर इसका आंशिक प्रभाव पड़ेगा। कंपनी थार और एक्सयूवी 700 मॉडल बेचती है।

उसने कहा कि वह अपने बिक्री और डीलर नेटवर्क के जरिये ग्राहकों को कीमतों में वृद्धि के बारे में जानकारी देने का प्रयास कर रही है। एमेजॉन ने अपनी बढ़ती लागत को कम करने के लिए घोषणा की है कि वह तृतीय-पक्ष विक्रेताओं से वसूले जाने वाले शुल्क पर पांच फीसदी ईंधन एवं मुद्रास्फीति अधिभार लगाएगा। तृतीय-पक्ष विक्रेता वे हैं जो इस ई-कॉमर्स कंपनी की सेवाओं का उपयोग करते हैं। एमेजॉन ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि यह अतिरिक्त शुल्क 28 अप्रैल से प्रभाव में आएगा और यह परिधान और गैर-परिधान दोनों प्रकार की वस्तुओं पर लागू होगा। इससे पहले कंपनी ने नवंबर में शुल्क वृद्धि की घोषणा की थी जो जनवरी से लागू हुई थी। कंपनी की ओर से हालिया फैसले के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी गई।

टाटा पावर अक्षय ऊर्जा कारोबार बढ़ाने जुटाएगी 4,000 करोड़

मुंबई ।

टाटा समूह की बिजली इकाई टाटा पावर ने कहा कि वह अपने अक्षय ऊर्जा कारोबार का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी ब्लैकरॉक और मुबाडला सहित निवेशकों के एक समूह को 10.53 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 4,000 करोड़ रुपए (52.5 करोड़ डॉलर) जुटाएगी। टाटा पावर ने कहा कि उसका लक्ष्य एक समग्र ऊर्जा प्लेटफॉर्म तैयार करने का है, जिसके लिए उसने ब्लैकरॉक की अगुआई वाले कंसोर्टियम से निवेश के लिए बाध्यकारी समझौता किया है। इसके तहत कंसोर्टियम टाटा पावर की सहायक इकाई टाटा पावर रीन्यूएबल एनर्जी में इक्विटी और अनिवार्य परिवर्तनीय निवेश साधनों के जरिये पूंजी निवेश करेगा। यह निवेश 34,000 करोड़ रुपए के मूल्यांकन पर किया जा रहा है। टाटा पावर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी हमें आगे आने वाले दशकों में आकर्षक अवसरों का लाभ उठाने में मदद करेगी। कंपनी ने कहा कि पूंजी निवेश दो चरणों में किया जाएगा। पहला चरण जून 2022 तक पूरा होगा और निवेश का दूसरा चरण 2022 के ओ खिर तक पूरा होगा। कंपनी में निवेशकों की शेयरधारिता 9.76 फीसदी से 11.43 फीसदी के दायरे में होगी जो इक्विटी को शेयर में बदलने पर निर्भर करेगी। कंपनी द्वारा नवगठित प्लेटफॉर्म में पांच विशिष्ट कारोबारी क्षेत्र शामिल होंगे। इनमें सौर, पवन और हाइब्रिड बिजली उत्पादन परिसंपत्तियां, सोलर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण, इंजीनियरिंग, खरीद ओर निर्माण (ईपीसी) अनुबंध, छतों पर लगाए जाने वाले सौर बुनियादी ढांचा, सोलर पंप और इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बुनियादी ढांचा प्रमुख हैं।

फ्यूचर समूह के खिलाफ बैंक ऑफ इंडिया पहुंचा एनसीएलटी

नई दिल्ली ।

सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने फ्यूचर रिटेल के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में एक याचिका दायर की है। इस महीने के शुरू में फ्यूचर रिटेल बैंकों के 5,322 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं कर पाई थी। इसी मामले में बैंक ने याचिका दायर की है। फ्यूचर रिटेल ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में यह बात कही है। उसका कहना है कि अमेजन के साथ चल रहे मुकदमों और अन्य मुद्दों के कारण वह भुगतान नहीं कर पाई। किशोर बियानी की कंपनी ने कहा कि उसे याचिका से संबंधित नोटिस मिला है और इस मामले में वह कानूनी सलाह भी ले रही है।

फ्यूचर रिटेल के खिलाफ पिछले महीने बैंक ऑफ इंडिया ने अखबारों में एक नोटिस देकर उसकी संपत्तियों पर अपना दावा ठोंका था। साथ ही जनता को भी कहा था कि उन संपत्तियों के साथ कोई सौदा नहीं किया जाए। फ्यूचर समूह को कर्ज देने वालों बैंकों में बैंक ऑफ इंडिया लीड बैंकर था। इसने अगस्त 2020 में 24,713 करोड़ रुपये में रिलायंस के साथ सौदा किया था। इसके तहत इसकी कुल 19 कंपनियां बेची जानी थीं। इन सभी को एक छत के नीचे लाकर फ्यूचर एंटरप्राइजेज के नाम से बनाना था। उधर, किशोर बियानी और अन्य प्रवर्तकों को भेजे गए 16 पृष्ठों के एक पत्र में अमेजन ने कहा है कि इस तरह का सौदा सही नहीं है और यह सिंगापुर मध्यस्थता ट्रिब्यूनल के फैसले के भी खिलाफ है।

टी20 प्रारुप में टीम इंडिया की ओर से वापसी करेंगे उमेश : साउदी

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी का मानना है कि उनके साथी खिलाड़ी उमेश यादव एक बार फिर अंतराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट के लिए टीम इंडिया में वापसी करेंगे। उमेश ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 3 साल से भी अधिक समय पहले खेला था। न्यूजीलैंड के साउथी ने कहा, 'मैं उमेश का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। वह बेहतरीन गेंदबाज है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे कुछ मौकों पर उसके साथ नई गेंद साझा करने का मौका मिला, जब हम दोनों रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते थे।' उन्होंने कहा कि जिस तरह उसका उपयोग किया जा रहा है, वह उमेश की गेंदबाजी शैली के अनुकूल है। अगर वह इसी प्रकार का प्रदर्शन जारी रखता है, तो मुझे कोई कारण नजर नहीं आता कि वह टीम इंडिया के लिए टी20 क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन न कर पाये। 34 साल के उमेश ने आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक 5 मैच में 10 विकेट लिए हैं और इस दौरान 6.60 की इकोनॉमी रेट से रन दिए हैं। उमेश ने पावरप्ले में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा है। केकेआर ने उन्हें नीलामी में 2 करोड़ रुपए में खरीदा था।

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

शाम 7.30 बजे शुरू होगा मुकाबला

मुंबई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) आईपीएल में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में एक बार फिर जीत के साथ ही अपनी लय हासिल करना चाहेगी। आरसीबी को लगातार तीन मैचों में जीत के बाद अपने पिछले मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में आरसीबी की ओर से युवा खिलाड़ी हर्षल पटेल भी खेलेंगे जिससे टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। हर्षल अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी के साथ ही डेथ ओवरों में विरोधी टीम पर अंकुश लगा देते हैं। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भी सीएसके के खिलाफ मैच में हार के बाद माना कि हर्षल अगर टीम में होते तो परिणाम कुछ और होता। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल के पिछले सत्र में 32 विकेट लिए थे और अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी से वह टी20 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक के रूप में उभरकर सामने आये। इस साल हर्षल ने चार मैचों में 5.50 के इकोनोमी रेट से रन दिये हैं और इसके साथ ही उन्होंने छह विकेट भी लिये हैं।

टीम को जब भी जरुरत हुई हर्षल ने विकेट निकालकर टीम की संभावनाएं बनाए रखीं जबकि मोहम्मद सिराज और आकाशदीप के अलावा वानिंदु हसरंगा जैसे गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी में डुप्लेसी और युवा अनुज रावत ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी है। जबकि दिनेश कार्तिक 'फिनिशर' की अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। इसके अलावा शाहबाज अहमद और सुयश प्रभुदेसाई ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है।

वहीं बल्लेबाजी में टीम के पास कप्तान विराट कोहली के अलावा डुप्लेसी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के लिए हालांकि विराट का खराब फार्म चिन्ता का कारण है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स इस मैच में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। उसके सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के अलावा अलावा अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर भी अच्छे पफार्म में हैं। टीम की परेशानी केवल तीसरे नंबर पर है जहां उसके पास अभी तक कोई भी अच्छा बल्लेबाज नहीं है। इस अहम मैच में कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। दिल्ली को रोवमैन पॉवेल से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इसके अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव का सामना करना आरसीबी के लिए आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज खलील अहमद और अनुभवी एनरिक नोर्किया भी आरसीबी की परेशानी बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा टीम में अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर और ललित यादव जैसे अच्छे ऑलराउंडर भी हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमें बेहद संतुलित हैं, ऐसे में यह मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), अश्विन हेब्बर, डेविड वार्नर, मनदीप सिंह, पृथ्वी सॉव, रोवमैन पॉवेल, एनरिक नोर्किया, चेतन सकारिया, खलील अहमद, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, मुस्ताफिजुर रहमान, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, कमलेश नागरकोटी , ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, रिपल पटेल, सरफराज खान, विक्की ओस्तवाल, यश ढुल, केएस भरत और टिम सीफर्ट।

आरसीबी: विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, फाफ डुप्लेसी, हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, रजत पाटीदार, सिद्धार्थ कौल।

आईपीएल के प्रति घटा दर्शकों का आकर्षण

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रति दर्शकों का आकर्षण घटता नजर आ रहा है। इसी कारण साल 2021 की तुलना में इस बार साल 2022 में इस लीग को देखने वालों की तादाद घटी है। ब्राडकास्ट आडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) के अनुसार आईपीएल के 15वें सत्र की टीवी रेटिंग में 33 फीसदी की गिरावट आई है। इससे प्रसारकों का राजस्व भी कम हुआ है। आइपीएल देखने वाले दर्शकों की संख्या की बात करें तो इसमें भी 14 फीसदी की कमी आई है। इसका कारण आईपीएल की दो मुख्य टीमों

मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का खराब प्रदर्शन भी एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। इस बार दोनों टीमों के प्रदर्शन से प्रशंसकों को निराशा हुई है। सबसे ज्यादा प्रशंसकों के मामले में भी इन्हीं दो टीमों का प्रभाव रहा है पर इस बार सीएसके केवल एक जीत के साथ 9वें स्थान पर जबकि मुंबई सभी मैच हारकर सबसे निचले स्थान पर है। इसके अलावा एबी डिविलियर्स, क्रिस गेल सहित कई अन्य स्टार खिलाड़ियों के नहीं रहने से भी आईपीएल का आकर्षण कम हुआ है। वहीं आईपीएल के 14 वें और 15 वें सत्र के बीच कम अंतर के कारण भी लोग इससे दूर हुए हैं क्योंकि पिछले काफी समय से वह क्रिकेट देखते आ रहे थे।

भारतीय बैडमिंटन संघ पर भड़की साइना

नई दिल्ली ।

अनुभवी महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) पर निशाना साधा है। साइना ने कहा कि राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए जो चयन ट्रायल रखे गये थे उसका कार्यक्रम इस प्रकार था कि वह इसमें शामिल नहीं हो सकती थीं। बीएआई ने जो ट्रायल रखा था जिसमें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल और हांगझोउ एशियाई खेलों के साथ बैंकाक में आठ से 15 मई तक होने वाले थॉमस कप और उबेर कप के लिए भी टीम का चयन किया गया था। साइना ने कहा कि उन्होंने पहले ही बीएआई को ट्रायल से बाहर रहने की सूचना दे दी थी पर इसके अलावा उसके पास कोई रास्ता नहीं था। दो बार राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण विजेता इस खिलाड़ी ने कहा कि वह ऐसी खबरें पढकर हैरान हो रही है कि जिनमें कहा जा हरा है कि मैं राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में भाग नहीं लेना चाहती थी जबकि मैं यूरोप में तीन सप्ताह खेलकर लौटी हूं और इसी वजह से मैंने ट्रायल में भाग नहीं लिया था। एक सीनियर खिलाड़ी होने के नाते लगातार खेलना संभव नहीं है। इससे चोट लगने का डर रहता है वह भी इतने कम समय के अंतर पर। इसी कारण मैंने बीएआई को इसकी जानकारी भी दे दी थी पर उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया। लगता है कि इन दोनों टूर्नामेंटों से मुझे बाहर रखकर वे खुश हैं।

फागरनेस इंटरनेशनल शतरंज - अर्जुन एरिगासी समेत 4 भारतीय सयुंक्त बढ़त पर

फागरनेस , नॉर्वे (निकलेश जैन)

फागरनेस इंटरनेशनल शतरंज 2022 में इस समय 71 ग्रांड मास्टर समेत दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच जोरदार मुक़ाबले देखने को मिल रहे है पर खासतौर पर भारत के शीर्ष 15 के कई खिलाड़ी अभी अपनी रेटिंग को बढ़ाकर आगामी शतरंज ओलंपियाड में अपनी जगह बनाने में लगे हुए है । प्रतियोगिता में अब तक छह राउंड खेले जा चुके है और फिलहाल टॉप सीड भारत के अर्जुन एरिगासी, निहाल सरीन, कृष्णन शशिकिरण और आर्यन चोपड़ा 4.5 अंक बनाकर 7 अन्य खिलाड़ियों के साथ सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है । छठे राउंड में पहले बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी नें नॉर्वे के ओलसन उरकेडल से बाजी ड्रॉ खेली जबकि पांचवें बोर्ड पर कृष्णन शशिकिरण नें नॉर्वे के फ़रेडरिक कासेन को ,छठे बोर्ड पर निहाल सरीन नें कजाकिस्तान की अब्दुमालिक ज़हंसाया को तो सातवें बोर्ड पर आर्यन चोपड़ा नें नॉर्वे के अब्दुलरौफ एलहम को पराजित करते हुए सयुंक्त बढ़त में जगह बनाई वही आठवे बोर्ड पर एसपी सेथुरमन नें नॉर्वे के आन्द्रेस होबर को पराजित करते हुए 4 अंक बना लिए है । फिलहाल भारत के अर्जुन एरिगासी 2678 रेटिंग के साथ लगभग भारत की ए टीम के लिए जगह बना चुके है जबकि निहाल और शशिकिरण को आनंद के नहीं खेलने की स्थिति में मौका मिल सकता है और फिलहाल निहाल इस दौड़ में 2 अंको से आगे चल रहे है । 9 राउंड के इस टूर्नामेंट का अंतिम राउंड 17 अप्रैल को खेला जाएगा ।

संक्षिप्त समाचार

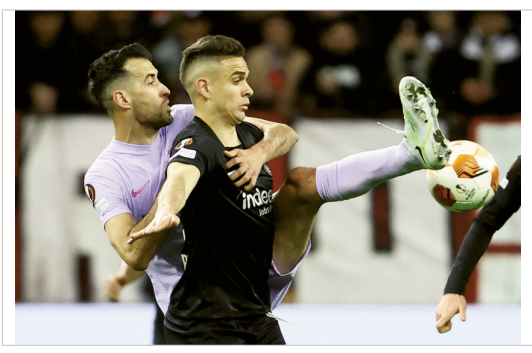

बार्सिलोना यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में हारी

वाशिंगटन । स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना अब यूरोपा लीग से भी बाहर हो गयी है। स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी के क्लब छोड़ने के बाद से ही बार्सिलोना का खराब दौर शुरु हो गया था जो समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा। चैंपियन्स लीग से बाहर होने के बाद बार्सिलोना दूसरी श्रेणी के यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में ही हार गया। उसे जर्मनी के फ्रैंकफर्ट क्लब ने 3-2 से हराकर 4-3 के कुल योग के साथ ही यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बनायी। इस बार बार्सिलोना को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर इस हार के कारण उसका दूसरे स्तर के क्लब टूर्नामेंट को जीतने का सपना भी टूट गया। वहीं फ्रैंकफर्ट अब सेमीफाइनल में वेस्ट हैम से खेलेगा। प्रीमियर लीग के इस क्लब ने लियोन को कुल 4-1 के स्कोर से हराकर साल 1976 के बाद पहली बार किसी यूरोपीय प्रतियोगिता के अंतिम चार में प्रवेश किया है। इससे पहले क्रिस्टोफर एनकुंकु के दो गोलों से लिपजिग ने अटलांटा को 2-0 से हराकर पहली बार यूरोपीय प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला रेंजर्स से होगा।

रुट ने इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ी

लंदन । जो रुट ने इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। रुट एशेज क्रिकेट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली करारी हार के बाद से ही निशाने पर थे। वहीं वेस्टइंडीज में टीम को मिली 1-0 से हार के बाद उनपर इस्तीफे का दबाव बढ़ता जा रहा था। रूट ने कहा कि मुझे अपने देश की कप्तानी करने पर बहुत गर्व है , यह मेरे लिए सम्मान की बात है। इंग्लैंड क्रिकेट के संरक्षक के तौर पर काम करना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने देश की कप्तानी करना पसंद किया है पर हाल ही में इसने मुझ पर कितना प्रभाव डाला है और खेल से दूर मुझ पर इसका कितना प्रभाव पड़ा है उसी को देखते हुए मैंने यह फैसला किया है। गौरतलब है कि एलिस्टेयर कुक के साल 2017 में कप्तानी छोड़ने के बाद रूट को टेस्ट कप्तान बनाया गया था और 27 जीत के साथ वह टीम के इसके सबसे सफल कप्तान बने थे। रुट ने टीम को कई अहम श्रृंखलाओं में जीत दिलायी जिसमें साल 2018 में भारत पर 4-1 से घरेलू श्रृंखला जीत और 2020 में दक्षिण अफ्रीका में 3-1 से मिली जीत भी शामिल है पर हाल के दिनों में वह नाकाम रहे थे, यहां तक कि वह रन भी नहीं बना पा रहे थे। रूट की कप्तानी में ही टीम ने श्रीलंका में साल 2021 में 2-0 से जीत दर्ज की। रूट कुक के बाद इंग्लैंड के दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने कप्तान के रूप में 14 शतक लगाये हैं। कप्तान के रूप में उनके नाम 5,295 रन भी हैं जो किसी भी इंग्लैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाये सबसे ज्यादा रन है।

पाकिस्तान का दौरान करेंगी न्यूजीलैंड और इंग्लैंड

पीसीबी ने जारी किया कार्यक्रम

लाहौर ।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम नवंबर 2022 और अगले साल जनवरी के बीच पाकिस्तान का दौरा करेगी। इन दोनो ही टीमों ने पिछले सत्र में अंतिम समय पर अपने दौरे रद्द कर दिये थे जिसकी पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़ी आलोचना की थी। हाल में ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के अपना पाक दौरा पूरा किया था। उसी को देखते हुए अब इंग्लैंड और न्यूजीलैंड भी पाक दौरे के लिए तैयार हो गये हैं। इन दोनो देशों के दौरों को देखते हुए पीसीबी उत्साहित है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से शुक्रवार को जारी कार्यक्रम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें के दौरे भी शामिल हैं। पीसीबी के कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम 2022-23 के घरेलू सत्र में सात आईसीसी विश्व चैंपियनशिप टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें दो श्रीलंका, तीन इंग्लैंड और दो न्यूजीलैंड के खिलाफ होंगे जबकि 12 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग मैच भी होंगे। इसमें पाक टीम वेस्टइंडीज, श्रीलंका, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड सभी टीमों के साथ तीन-तीन मैच खेलेगी। पाकिस्तान के घरेलू सत्र की शुरुआत पांच से 12 जून के बीच रावलपिंडी में वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से होगी। नवंबर में तीन टेस्ट मैचों से पहले

इंग्लैंड की टीम सितंबर-अक्टूबर में सात मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए भी पाकिस्तान का दौरा करेगी। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम दिसंबर-जनवरी में दो टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैचों के बाद पांच एकदिवसीय और पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अप्रैल में पाक दौरे पर पहुंचेगी।

टी-20 प्रारूप में पाकिस्तान पुरुष टीम अगस्त-सितंबर में श्रीलंका में टी-20 एशिया कप और फिर बाद में 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में 2022 आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2022 खेलेगी।

हार्दिक की कप्तानी से मिल रही टीम को सफलता : राशिद

मुंबई । गुजरात टाइटन्स की टीम के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जिससे अन्य खिलाड़ी भी प्रेरित हो रहे हैं। राशिद के अनुसार हार्दिक ने टीम का माहौल भी अच्छा बनाया है। इसी कारण टीम ने अबतक अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात ने अबतक पांच मैचों में चार जीत दर्ज की है और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। हार्दिक रन बनाने के मामले में अभी दूसरे स्थान पर हैं और इसके साथ ही वह अच्छी गेंदबाजी भी कर रहे हैं। राशिद ने कहा, 'जिस तरह से वह (हार्दिक) टीम की अगुवाई कर रहा है जिस तरह से उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर टीम माहौल तैयार किया है उसका भी टीम को लाभ मिला है। इस स्पिनर ने कहा कि हार्दिक समय पर साहसिक फैसले करने से नहीं डरते हैं। उन्होंने कहा, 'वह ऐसे कप्तान हैं जो हमेशा साहसिक फैसले करते हैं। हमेशा उन्हें भरोसा होता है तथा क्या करना है इसको लेकर उनकी राय स्पष्ट है। राशिद ने कहा, 'एक कप्तान के लिये यह अहम होता है। जब आपकी मनस्थिति साफ हो तो आप सही फैसले करते हो, परिणाम स्वयं ही आपके अनुकूल रहता है। राशिद ने कहा कि सही समय पर सही फैसले करने के कारण हार्दिक एक अच्छा कप्तान साबित हो रहा है।

सबसे ज्यादा ओलंपिक पदक विजेता फेलिक्स का है यह अंतिम सत्र

वाशिंगटन ।

अब तक सबसे ज्यादा ओलंपिक पदक जीतने वाली अमेरिकी महिला एथलीट एलिसन फेलिक्स 2022 के इस सत्र के बाद खेल को अलविदा कह देंगी। फेलिक्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'यह सत्र समय के लिए नहीं बल्कि यह आनंद लेने के लिए है।' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर आप मुझे इस साल ट्रैक पर देखेंगे तो मैं उम्मीद करूंगी कि आपसे एक पल और एक याद साझा करूं।' फेलिक्स ने पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में 400 मीटर में कांस्य पदक जीतने के बाद चार गुणा 400 मीटर रिले में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। ये दोनों उनके 10वें और 11वें ओलंपिक पदक थे। इसी के साथ ही फेलिक्स ने एथलेटिक्स इतिहास में कार्ल लुईस को भी पीछे छोड़ दिया था। अब वह विश्व में केवल फिनलैंड के पावो नुर्मी से एक पदक पीछे हैं जिन्होंने 1920 से 1928 के बीच 12 पदक जीते थे। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'इस सत्र में मैं महिलाओं और अपनी बेटी के बेहतर भविष्य के लिए दौड़ूंगी।'

वाटसन ने विराट को सर्वश्रेष्ट टेस्ट बल्लेबाज बताया

आजम को मिला दूसरा स्थान

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज करार दिया है। वाटसन ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन , इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रुट और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम जैसे खिलाड़ियों से विराट को बेहतर बताया है जबकि विराट ने पिछले दो साल से एक भी शतक नहीं लगाया है। महिला क्रिकेटर इशा गुहा ने जब वाटसन से पूछा कि उनके विचार में विश्व का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज कौन है तो उन्होंने कहा, ''टेस्ट मैच क्रिकेट में मैं हमेशा से ही विराट को नंबर एक स्थान पर मानता हूं।'' वाटसन ने कहा, ''वह एक सुपरह्यूमन की तरह है क्योंकि वह अब तक जो कुछ भी हासिल कर पाया है , वह उसे अपने जुनून के कारण ही मिला है।'' कोहली हाल में खराब प्रदर्शन के कारण आईसीसी रैंकिंग में 10वें स्थान पर फिसल गए हैं पर टेस्ट क्रिकेट में इस बल्लेबाज का रिकॉर्ड शानदार रहा है।

विराट ने 27 टेस्ट शतक और 28 अर्धशतक लगाये हैं। इसमें उनका टेस्ट बल्लेबाजी औसत 50 से कुछ ही कम है। वहीं आईसीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि विश्व के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन हैं। लाबुशेन ने 26 टेस्ट में 54.31 की औसत से रन बनाए हैं पर न्यूनतम 40 टेस्ट खेलने की पात्रता के कारण उन्हें शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया। आजम को वाटसन ने दूसरे नंबर पर रखा है। वाटसन ने कहा कि आजम शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''उसने जिस तरह अपने खेल से तालमेल बैठाया है और टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है वह देखने लायक है। वाटसन की सूची में स्मिथ को तीसरा स्थान मिला है। उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि स्मिथ ने क्रीज पर अधिक समय बिताने के बारे में सोचना शुरू कर दिया है और वह गेंदबाजों पर उतना दबाव नहीं डाल रहा जितना वह उस समय डालता था जब वह अपने खेल के शीर्ष पर था। मेरे लिए स्मिथ इस सूची में थोड़ा नीचे आया है।'' वहीं विलियमसन को चौथा स्थान मिला है। वाटसन ने कहा, ''कीवी कप्तान अपने खेल को लेकर अच्छे प्रकार से जानते हैं कि उन्हें किस प्रकार विरोधी गेंदबाजों का सामना करना है। विलियमसन ने पिछले 12 महीने में सिर्फ दो टेस्ट खेले हैं और वह टेस्ट रैंकिंग में तीसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।

रोहित के फार्म को लेकर परेशान नहीं हैं कोच जयवर्धने

पुणे ।

मुंबई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस 15 वें सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम अब तक एक भी मैच नहीं जीती है। टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी अब तक एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे प्रशंसकों में निराशा है पर इसके बाद भी टीम के के कोच महेला जयवर्धने चिन्तित नहीं हैं। जयवर्धने के अनुसार रोहित को फार्म में आने के लिए केवल एक बड़ी पारी की जरुरत है। अब तक के मैचों में रोहित अच्छी शुरुआत के बाद भी अधिक रन नहीं बना पाये हैं। इस सत्र में उन्होंने अब तक 21.60 के औसत से केवल 108 रन ही बनाए हैं। जयवर्धने ने कहा, 'अगर आप उसके पारी शुरू करने के तरीके को देखो तो वह जिस तरह से गेंद हिट करता है, वो शानदार है। वह गेंद की अच्छी टाइमिंग कर रहा है, उसे कुछ बहुत अच्छी शुरूआत मिल रही हैं। हां, वह निराश भी है कि वह इन्हें बड़ी पारियों में नहीं बदल पा रहा है।' उन्होंने कहा, 'हमने रोहित को 14-15 ओवर तक गहराई से बल्लेबाजी करते और बड़े स्कोर बनाते देखा है , इसलिए उन्हें किस सलाह की जरुरत नहीं है। यह केवल समय की बात है। वह बेहतरीन खिलाड़ी है और मैं उसकी फॉर्म को लेकर परेशान नहीं हूं। मुंबई इंडियंस को लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब किंग्स से मिली हार को लेकर जयवर्धने ने कहा, 'हम छह बल्लेबाजों के साथ खेल रहे थे और हमने मैच में जीत के लिए पूरा प्रयास किया था।' पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सूर्यकुमार ने 30 गेंद में 43 रन बनाये पर वह 19वें ओवर में आउट हो गए। कोच ने कहा, 'पावरप्ले में गेंदबाज गेंद को थोड़ा स्विंग करते हैं इसलिए मैं सूर्या का उस हालात में नहीं लाना चाहता था क्योंकि इससे वह अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेल पाता। यह रणनीति का हिस्सा था।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है।
स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे ।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

- मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।

यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।
हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।
यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।
हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए।
रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत्गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा।
पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ॐ नम : शिवाय ॐ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम :।
ॐ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ॐ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ॐ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ॐ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ॐ हरीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात।।

इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।
साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।
हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत: धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।
शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है।
हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढने व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरीं होगीं।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् वायु पुत्रो महाबल :।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम :॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन :।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन :।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

सार समाचार

चीन में बंदी बनाकर रखा गया एक कार्यकर्ता ताइवान लौटा, 2017 से बनाकर रखा था बंदी

ताइपे। चीन में पांच साल तक बंदी रहा ताइवान का एक लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता शुक्रवार सुबह ताइवान लौट आया। ताइवान की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी। ली मिंग-चे को 2017 में चीनी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था और उन पर राज्यसत्ता के विरूद्ध विध्वसंक कार्रवाई करने का आरोप लगाया गया था। चीन द्वारा 2016 में विदेशी गैर-सरकारी संगठनों पर नियंत्रण को कड़ा करने वाला कानून पारित करने के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई थी। ली ने ताइवान के लोकतंत्रीकरण पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया था और चीन में राजनीतिक बंदियों के परिवारों के लिए एक कोष का प्रबंधन किया था। वह पिछले पांच वर्षों से मध्य हुनान प्रांत की एक जेल में सजा काट रहे थे। ली शुक्रवार सुबह दक्षिणी चीनी शहर जियामेन से विमान से ताइवान लौटे। उनकी गिरफ्तारी तब हुई जब चीन और ताइवान के बीच संबंधों में खटास आ गई और द्वीप ने त्साई इंग-वेन को राष्ट्रपति चुना। त्साई की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने ताइवान की औपचारिक स्वतंत्रता की वकालत की है। त्साई के सत्ता में आने के बाद चीन ने ताइवान की सरकार से संपर्क खत्म कर लिया और अब वह ताइवान के आसमान रोजाना अपने सैन्य विमान को भेजता है। चीन का दावा है कि ताइवान उसका हिस्सा है। चीन यह भी दावा करता है कि ताइवान के नागरिक भी चीनी हैं और उन्हें एक विशेष पहचान पत्र जारी करता है।

अल-अक्सा मस्जिद में इजरायल पुलिस व फिलिस्तीनियों के बीच हिंसक झड़प, 59 घायल

यरुशलम में एक प्रमुख पवित्र स्थल अल-अक्सा मस्जिद में इजरायली पुलिस और फिलिस्तीनियों के बीच शुक्रवार तड़के झड़पें हुई और चिकित्सकों ने कहा कि कम से कम 59 फिलिस्तीनी घायल हो गए हैं। अल अक्सा मस्जिद में पुलिस का बड़ा ऑपरेशन देखने को मिली है। फिलीस्तीन समर्थक और इजरायली फोर्स के बीच टकराव हुआ है। इजरायली फोर्स ने आंसू गैस के गोले छोड़े हैं। चश्मदीदों के मुताबिक इजरायली फोर्स के हमले में 59 लोग घायल हुए हैं। सोशल मीडिया में वायरल होने वाले वीडियो में फिलिस्तीनीपत्थर फेंकते हुए और पुलिस को आंसू गैस के गोले दागते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस की इस कार्रवाई की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह की नमाज के बाद पुलिस इस मस्जिद में दाखिल हुई। ये हिंसा तब शुरू हुई जब फिलिस्तीन समर्थकों की तड़फ से पत्थरबाजी शुरू की गई। बता दें कि इजराइल अल अक्सा मस्जिद पर अपना कब्जा मानता है और उसने मस्जिद में फिलिस्तीनियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। रमजान के मौके पर ये प्रतिबंध हटाए गए थे। सुबह की नमाज के लिए मस्जिद में हजारों की संख्या में नमाजी जमा हुए थे जिस दौरान हिंसा हुई।

अंटार्कटिका में बची है सिर्फ अंतिम परत, पिघली तो महासागरों में होगी महाप्रलय

लंदन । वायुमंडल में प्रदूषण और हो रहे जलवायु परिवर्तनों के बीच आसन्न संकट छिपा नहीं है। अंटार्कटिका में पिछले दिनों मार्च का तापमान जब सामान्य से 38 डिग्री सेल्सियस अधिक हुआ तो लॉस एंजिल्स के आकार की बर्फ की एक परत पिघल गई। वैज्ञानिकों को यह तो नहीं पता कि अत्यधिक तापमान ने इस घटना में क्या भूमिका निभाई लेकिन 'वायुमंडलीय नदी' से निकलने वाली गर्मी इसके लिए घातक साबित हुई। वायुमंडलीय नदी आर्द्रता की एक लंबी धारा होती है, जो गर्म हवा और जलवाष्प को उष्णकटिबंध क्षेत्रों से धरती के अन्य हिस्सों तक लेकर जाती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को प्रकाशित एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 'आसमान की नदियां', जो बारिश कराती हैं और बर्फ गिराती हैं, अत्यधिक तापमान, सतह को पिघलाने, समुद्री बर्फ को कमजोर करने और महासागरों का जलस्तर बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होती हैं। इन परिस्थितियों का अध्ययन अंटार्कटिका की दो बर्फ की परतों के पिघलने के दौरान किया गया। लारसेन ए और बी बफीर्ली परतें क्रमशः 1995 और 2002 की गर्मियों में पिघल गई थीं।

बफीर्ली चादरों के पिघलने के क्या कारण?

अध्ययन के अनुसार बढ़ते पर्यावरण संकट ने खतरे को और बढ़ा दिया है और जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, बची हुई सबसे बड़ी परत लारसेन सी पर भी खतरा मंडरा रहा है। अंटार्कटिका की बर्फीली चादरों को अस्थिर करने के कई कारक हैं। गर्म और शुष्क हवाएं जो ठंडी हवाओं के ऊपर बहने के बाद पहाड़ों से नीचे की ओर बहती हैं।

क्या हो अगर लारसेन सी पिघल जाए?

ये हवाएं तापमान में अचानक और नाटकीय ढंग से बदलाव का कारण बन सकती हैं, जो अंटार्कटिका में बर्फ के पिघलने की सबसे बड़ी वजह है। अगर लारसेन सी परत पिघलती है तो यह हमारे लिए चिंता का कारण बन सकती है क्योंकि इससे समुद्र का जल स्तर तेजी से ऊपर जाएगा। दुनियाभर में बर्फ की परतें टूट रही हैं और बहकर समुद्र तक पहुंच रही हैं जिससे जलस्तर बढ़ रहा है।

पीओके के प्रधानमंत्री नियाजी ने दिया इस्तीफा, इमरान को झटका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री सरदार अब्दुल कय्यूम नियाजी ने सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी में उनके खिलाफ विद्रोह के बाद इस्तीफा दे दिया है। नियाजी पीटीआई प्रमुख खान के करीबी माने जाते हैं। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सरदार तनवीर इलियास के समक्ष पार्टी के 25 सांसदों ने उन्हें बदलने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था।

कश्मीर (पीओके) के पीएम सरदार अब्दुल कय्यूम नियाजी ने 14 अप्रैल को भेजे इस्तीफे में लिखा है कि संविधान के अनुच्छेद 16 (1) के तहत, मैं प्रधानमंत्री के अपने पद से इस्तीफा देता हूं। उन्होंने यह इस्तीफा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के राष्ट्रपति सुल्तान महमूद चौधरी को भेजा। खबर के अनुसार, राष्ट्रपति मामलों के सचिव डॉ. आसिफ हुसैन शाह ने चौधरी द्वारा नियाजी का इस्तीफा स्वीकार करने की पुष्टि कर बताया कि औपचारिक अधिसूचना जारी करने के लिए इसे मुख्य सचिव के पास भेज दिया गया है।

जयशंकर ने संरा प्रमुख से मुलाकात कर यूक्रेन संकट पर की चर्चा

संयुक्त राष्ट्र। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से 'व्यापक चर्चा' की और यूक्रेन संघर्ष के दुनिया पर असर के साथ ही अफगानिस्तान तथा म्यांमा में स्थिति पर भी विचार साझा किए। जयशंकर वाशिंगटन की यात्रा के बाद बुधवार शाम को यहां पहुंचे थे। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के साथ व्यापक चर्चा हुई। यूक्रेन संकट के विश्व खासतौर से खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर असर पर विचार साझा किए गए। विकासशील देशों के लिए इसके असर गंभीर हैं।' उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान और म्यांमा के संबंध में ताजा घटनाक्रम पर बात की। महत्वपूर्ण समकालीन चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए भारत के साथ काम करने में उनकी रूचि की सराहना करता हूं।

प्योंगयोंग में दिवंगत नेता किम सुंग की दसवीं बरसी पर सुंग स्कवायर पर हुए समारोह को देखते हुए लोग।

चीन से बढ़ते तनाव के बीच ताइवान पहुंचे छह अमेरिकी सांसद, राष्ट्रपति के साथ की बैठक

ताइपे। रिपब्लिकन नेता लिंडसे ग्राहम के नेतृत्व में छह अमेरिकी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय यात्रा पर बृहस्पतिवार को ताइवान पहुंचा। चीन पहले ही इस यात्रा की निंदा कर चुका है। अमेरिकी सांसदों का ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन एवं रक्षा मंत्री से मिलने का कार्यक्रम है। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन की 'गंभीर' स्थिति के बीच यह यात्रा ताइवान के प्रति अमेरिका के 'ठोस समर्थन एवं प्रतिबद्धता' का प्रदर्शन है। दक्षिण कैरोलिना के नेता ग्राहम के साथ इस प्रतिनिधिमंडल में सीनेटर रॉबर्ट मेंडेज, सीनेटर रिचर्ड बर्र, सीनेटर रॉबर्ट पोर्टमैन, सीनेटर बेंजामिन सास्से एवं रॉनी जैक्सन शामिल हैं। इस यात्रा से पहले पिछले सप्ताह घोषणा की गयी थी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ताइवान की यात्रा करेंगी। लेकिन पेलोसी कोविड-19 से संक्रमित हो गयीं और उनकी यात्रा स्थगित कर दी गयी। बीजिंग में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने बृहस्पतिवार को यह कहते हुए यात्रा की निंदा की कि 'चीन अमेरिका और ताइवान के बीच किसी भी प्रकार के आधिकारिक आदान-प्रदान के विरूद्ध है।' ताइवान स्वशासन वाला एक द्वीप है जिसे चीन अपना हिस्सा होने का दावा करता है।

पाकिस्तानी सेना का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है : मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तानी सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'राजनीति से उसका कोई लेना-देना नहीं' है और वह भविष्य में भी अराजनीतिक बनी रहेगी। साथ ही, शक्तिशाली संस्था ने जोर देते हुए कहा कि सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ना तो कार्यकाल बढ़ाने की मांग कर रहे हैं और ना ही इसे स्वीकार करेंगे। सेना की मीडिया शाखा- इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर)- के महानिदेशक (डीजी) मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने यह भी कहा कि पाकिस्तान का अस्तित्व मूल रूप से लोकतंत्र पर निर्भर है और इसकी मजबूती संस्थाओं में निहित है, चाहे वह संसद, उच्चतम न्यायालय या सशस्त्र बल ही क्यों ना हो। मेजर जनरल इफ्तिखार ने संवाददाताओं से कहा कि पाकिस्तानी सेना का 'राजनीति से कोई लेना-देना नहीं' है और इसने भविष्य में भी अराजनीतिक बने रहने का फैसला किया है। उनका यह बयान, विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ के पाकिस्तान के नये प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद आया है। देश में लंबे समय से चल रहे राजनीतिक उथल-पुथल के बाद शरीफ प्रधानमंत्री बने हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर में उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया है , 'सेना प्रमुख ना तो कार्यकाल बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, ना ही वह इसे स्वीकार करेंगे। वह 29 नवंबर 2022 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि पिछले महीने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की एक बैठक के बाद जारी बयान में 'साजिश' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया था। उनका यह स्पष्टीकरण अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के उस दावे का संभवतः विरोधाभासी है जिसमें उन्होंने अपनी सरकार को गिराने के लिए अमेरिका पर साजिश रचने का आरोप लगाया था। जनरल इफ्तिखार ने कहा, 'जहां तक एनएससी की बैठक के बारे में सेना की प्रतिक्रिया की बात है, उस बारे में बैठक में पूरी तरह बताया गया था और उसके बाद एक बयान जारी किया गया...जिसमें बैठक में पहुंचे गये निष्कर्ष को स्पष्ट रूप से कहा गया था। जो शब्द इस्तेमाल किये गये थे वह आपके सामने हैं...जैसा कि मैंने कहा है...जो शब्द इस्तेमाल किये गये वे स्पष्ट हैं। क्या साजिश जैसा कोई शब्द इसमें इस्तेमाल किया गया था? मुझे नहीं लगता।' उन्होंने कहा कि बैठक में हुई चर्चा के विवरण को सरकार के फैसला करने पर सार्वजनिक किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने राजनीतिक संकट का हल तलाशने में मदद के लिए सेना प्रमुख से संपर्क किया था। उन्होंने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व वार्ता को तैयार नहीं थे। इसलिए सेना प्रमुख और डीजी आईएसआई प्रधानमंत्री कार्यालय गये तथा तीन परिदृश्यों पर चर्चा की गई।' इनमें एक परिदृश्य अविश्वास प्रस्ताव पर आगे बढ़ना था। जबकि शेष दो में प्रधानमंत्री के इस्तीफा देने या अविश्वास प्रस्ताव को वापस लेने और नेशनल असेंबली को भंग करना शामिल थे। जनरल इफ्तिखार ने कहा कि सेना ने कोई विकल्प नहीं दिया था। उल्लेखनीय है कि इमरान खान ने दावा किया था कि सेना ने उन्हें तीन विकल्प दिये थे:'इस्तीफा, अविश्वास प्रस्ताव (मतदान) या चुनाव।' इस सप्ताह की शुरूआत में सत्ता से बेदखल कर दिये गये खान ने संभवतः शक्तिशाली सेना का समर्थन खो दिया था।

कोरोना ने निकाला ड्रैगन का दम, शंघाई में खाने के लिए नहीं बचा खाना और न ही क्वारंटीन सेंटर में रहने की है जगह

बीजिंग। (एजेंसी)

साल 2019 में चीन के वुहान शहर से निकले कोरोना वायरस ने दुनियाभर में हाहाकार मचाया है लेकिन सबसे ज्यादा परेशान चीन को ही किया है। आलम यह है कि चीन के शंघाई शहर में सख्त लॉकडाउन लगा हुआ है। जिसकी वजह से वहां की जनता काफी ज्यादा परेशान हो चुकी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शंघाई की जनता के चौंका देने वाले वीडियोज सामने आ रहे हैं।

रिकॉर्ड मामले दर्ज

चीन में शुक्रवार को कोरोना के 3,400 से अधिक मामले सामने आए। इसके अलावा 20,700 ऐसे मामलों का भी पता चला जिनमें मरीजों में कोरोना के कोई लक्षण नजर नहीं आए। संक्रमण के अधिकतर मामले शंघाई में आए जहां, पिछले दो सप्ताह से महामारी के प्रसार को काबू में लाने के लिए लॉकडाउन जारी है। स्थानीय लोगों में भोजन और स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। शंघाई में जीरो कोविड नीति के तहत सख्त लॉकडाउन लगाया गया है। जिसकी वजह से 2.5 करोड़ से ज्यादा लोग अपने घरों में कैद हैं और इसके बावजूद कोरोना के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियोज में स्थानीय लोगों का जनआक्रोश देखने को मिल रहा है। शंघाई में लाखों लोग भोजन की कमी, अपने पड़ोसियों को क्वारंटीन सेंटर्स तक पहुंचाने में देरी और रोजमर्रा की परेशानियों से जूझ रहे हैं। आपको बता दें कि शंघाई शहर कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट के खिलाफ अपने सबसे कठिन समय से गुजर रहा है।

दो साल बाद महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से मिले प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल

वाशिंगटन (एजेंसी)

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने अमेरिका से ब्रिटेन आने के बाद महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से मुलाकात की है। ब्रिटिश शाही घराने से 2020 में अलग होकर कैलिफोर्निया में बस गये शाही दंपती ने दो साल से हैरी की 95 वर्षीय दादी से मुलाकात नहीं की है। प्रिंस हैरी की अगुवाई में इस सप्ताहांत में आयोजित किये जा रहे इनविक्टस गेम्स समारोह के लिए हेग जाते हुए दोनों ने बृहस्पतिवार को यहां रुकने का फैसला किया। बकिंघम पैलेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि महारानी विंडसर में सेंट जॉर्ज चैपल में आयोजितईस्टर सन्डे की परंपरागत प्रार्थना सभा में शामिल नहीं होंगी। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय 21 अप्रैल को अपना 96वां जन्मदिन मनाएंगी। उन्हें चलने-फिरने में दिक्कत आने लगी है। हैरी के प्रवक्ता ने मार्च में इस बात की पुष्टि की थी कि वह अपने दादा प्रिंस फिलिप की स्मृति सभा में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन उन्होंने जल्द महारानी से मिलने की उम्मीद जताई थी। हैरी और मेगन मर्केल नीदरलैंड में इनविक्टस गेम्स में शामिल होने जा रहे हैं जिनका आयोजन 16 से 22 अप्रैल तक किया जाएगा। उनके साथ एक फिल्म निर्माण दल भी शामिल होगा और नेटफ्लिक्स की श्रृंखला ह्यहार्ट ऑफ इनविक्टसह्न के लिए फिल्म बनाई जाएगी। प्रिंस हैरी ने दुनियाभर के घायल या बीमार सैन्यकर्मियों और पूर्व सैनिकों के पुनर्वास में मदद के लिए इन खेलों की शुरूआत की।

युद्ध की आड़ में रूसी सैनिक कर रहे यूक्रेन के बच्चों के साथ गंदा काम, रेप करते हुए बनाया वीडियो सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

कीव (एजेंसी)

रूस-यूक्रेन युद्ध को 51 दिन हो गए है और अभी भी दो देशों के बीच जंग जारी है। यूक्रेन पर रूस की ओर से लगातार हमले किए जा रहे है। इसी बीच युद्ध से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है जिसको पढ़कर शायद आपकी भी रूह कांप उठे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक रूसी सैनिक ने यूक्रेन में एक साल की बच्ची के साथ बलात्कार करते हुए खुद की वीडियो बनाई और सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। इस रूसी सैनिक का नाम अलेक्सी बायचकोव बताया जा रहा है। रूसी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बता दें कि यूक्रेनी संसद में मानवाधिकार आयुक्त ल्यूडमिला डेनिसोवा ने शनिवार को आरोप लगाया कि

रूसी सैनिकों ने युद्ध के दौरान बच्चों के साथ बलात्कार किया है।

एक बयान के अनुसार, उन्होंने बताया कि बूचा शहर में एक 14 साल की लड़की के साथ पांच सैनिकों ने बलात्कार किया और वह गर्भवती हो गई। एक और चौंकाने वाली घटना में, बूचा में 11 साल के लड़के के साथ उसकी मां के सामने बलात्कार किया गया। बता दें कि रूसी सैनिकों ने लड़के के मां को एक कुर्सी में बांध दिया था और फिर बलात्कार देखने को मजबूर किया। डेनिसोवा की टिप्पणी ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) द्वारा एक रिपोर्ट जारी करने के एक सप्ताह बाद आई है, जिसमें रूसी सैनिकों के यूक्रेनी नागरिकों के साथ बलात्कार और उन्हें मारने के गवाहों के रिपोर्ट शामिल हैं। संगठन ने कहा कि उसे 27 फरवरी से 14 मार्च के बीच बार-बार बलात्कार के मामले मिले है। एचआरडब्ल्यू में यूरोप और मध्य एशिया के निदेशक ह्यूग विलियमसन ने कहा, 'हमने जिन मामलों का दस्तावेजीकरण किया है, वे यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ अकथनीय, जानबूझकर क्रूरता और हिंसा की हैं।रूसी सेना की हिरासत में लोगों के खिलाफ बलात्कार, हत्या और अन्य हिंसक कृत्यों की युद्ध अपराधों के रूप में जांच की जानी चाहिए।

यूक्रेन- जेलेंस्की बोले- रूस ने पांच दिन दिए थे, हम 50वें दिन भी जिंदा हैं...

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का राष्ट्रवाद अंततः वहां के नागरिकों को रिझा रहा है उन्होंने कहा कि रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू किया। 2014 में रूसी सैनिक हमारे यहां आए थे। उन्होंने हमारे क्रीमिया पर कब्जा कर लिया उन्होंने इसे एक बड़े सैन्य अड्डे में बदल दिया। पचास दिन पहले, 24 फरवरी को, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पड़ोसी यूक्रेन पर सैन्य हमले की शुरूआत की घोषणा की थी। रूसी तोपखाने और हवाई हमलों ने यूक्रेनी शहरों को कुचल दिया, और क्रेमलिन की सेना सीमा पार देश में घुसकर बड़ा 'सैन्य अभियान' चलाने लगी, जिससे बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हो गया जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन गया है। पचास दिन पहले, 24 फरवरी को, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पड़ोसी यूक्रेन पर सैन्य हमले की शुरूआत की घोषणा की थी। रूसी तोपखाने और हवाई हमलों ने यूक्रेनी शहरों को कुचल दिया, और क्रेमलिन की सेना सीमा पार देश में घुसकर बड़ा 'सैन्य अभियान' चलाने लगी, जिससे बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हो गया जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन गया है। लेकिन इन तमाम घटनाक्रमों के बीच यूक्रेन अभी भी खड़ा है और रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। यही वजह है कि यूक्रेन की सेना और राष्ट्रपति जेलेंस्की की 'पूरी दुनिया' में तारीफ हो रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी आक्रमण के 50 दिनों को याद करते हुए अपने देश को रूपरी दुनिया के लिए नायकर बताते हुए सम्मानित किया। अपने सिग्नेचर स्टाइल में रात के संबोधन में, उन्होंने अपने साथी यूक्रेनियन की बहादुरी के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी दुनिया के आजाद लोगों के हीरो हैं। जेलेंस्की ने कहा, 'उन लोगों के लिए जो कुदाल को कुदाल कहने का साहस रखते हैं। उन लोगों के लिए जो झूठे प्रचार के जाल में नहीं फंसे। आप सभी नायक बन गए हैं। सभी यूक्रेनी पुरुष और महिलाएं जिन्होंने ये दंश झेला है और इसके विरुद्ध खड़े हुए हैं और हार नहीं मानी। आप ही जीतोगे। यूक्रेन में शांति आप ही लाओगे।

शहबाज शरीफ के हाथों में सुरक्षित नहीं है परमाणु हथियार, इमरान के दावे पर पाकिस्तानी सेना ने किया पलटवार

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पाकिस्तानी सेना के बीच में परमाणु हथियार को लेकर बीच जुबानी जंग चल रही है। दरअसल, इमरान खान ने दावा किया था कि शहबाज शरीफ के हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित नहीं हैं। इस पर पाकिस्तानी सेना का बयान सामने आया है। जिसमें सेना ने इमरान खान के दावों का खंडन किया है।

परमाणु कार्यक्रम को कोई खतरा नहीं

सेना ने कहा कि पाकिस्तान की परमाणु संपत्ति सिर्फ एक व्यक्ति की जागीर नहीं है। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक (डीजी) मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने इमरान खान के दावों को खंडन करते हुए कहा कि पाकिस्तान की परमाणु संपत्ति सिर्फ एक व्यक्ति की जागीर नहीं है और न ही हमारे परमाणु कार्यक्रम को कोई खतरा है।

अमेरिका पर बरसे इमरान खान

इमरान खान ने बुधवार को पेशावर में एक रोड शो के दौरान दावा किया था कि शाहबाज शरीफ के हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित नहीं हैं। इमरान ने जोर देते हुए कहा था कि क्या साजिश के तहत सत्ता में लाए गए लोग परमाणु कार्यक्रम की रक्षा कर सकते हैं ? इसी के साथ ही इमरान खान ने अमेरिका पर भी निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका हमें आपकी माफी की जरूरत नहीं है। हम हमें माफ करने वाले कौन होते हो। आप इन गुलामों शरीफ और जरदारी के आदी हो।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान हुआ। जिसका इमरान खान और पीटीआई के सांसदों ने बहिष्कार किया। ऐसे में इमरान खान सरकार गिर गई और शाहबाज शरीफ को पाकिस्तान का नया प्रधानमंत्री चुना गया। जिसको लेकर इमरान खान काफी ज्यादा नाखुश दिखाई दे रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रक्षा साझेदारी बढ़ाने पर हुए सहमत

प्रधानमंत्री मोदी ने गुयेन फु ट्रोंग से टेलीफोन पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव गुयेन फु ट्रोंग से बात की। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रोंग के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसमें यूक्रेन में जारी संकट और दक्षिण चीन सागर की स्थिति शामिल है। पीएमओ की ओर से जारी बयान के मुताबिक टेलीफोन पर हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत-वियतनाम के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत सहयोग की तेज रफ्तार पर संतोष जाहिर किया। साल 2016 में पीएम मोदी की वियतनाम यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की नींव पड़ी थी। दोनों नेताओं ने भारत और ताइवान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ पर एक-दूसरे को बधाई दी।पीएम मोदी ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति और इंडो पैसिफिक विजन के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में वियतनाम की अहमियत को दोहराया। यही नहीं उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के दायरे को बढ़ाने पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने वियतनाम के बाजार में भारत के फार्मा और कृषि उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए सुविधा मुहैया कराने का अनुरोध किया। पीएम मोदी ने ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रिश्तों का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने वियतनाम में चाम स्मारकों की बहाली में भारत की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक दोनों नेता भारत और वियतनाम के बीच रक्षा साझेदारी को बढ़ाने पर भी सहमत हुए। गौर करने वाली बात है कि पीएम मोदी ने गुयेन फु ट्रोंग से उस समय बातचीत की है जब भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देश स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर जोर दे रहे हैं।

कुछ लोग कर रहे हैं देश को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की साजिश, उन्हें बेनकाब करना जरूरी : गिरिराज

खंडवा (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के खंडवा पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने खरगोन हिंसा पर बोलते हुए कहा कि यह संयोग नहीं प्रयोग है। इस तरह की हिंसा कर प्रयोग किए जा रहे हैं। गिरिराज ने ओवैसी पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या अब रामनवमी का जुलूस भी ओवैसी से पूछकर निकालना पड़ेगा। उनहोंने कहा कि कुछ लोग देश को इस्लामिक राष्ट्र में बदलने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसी शक्तियों को बेनकाब करने और उनसे सख्ती से निपटने की जरूरत है।

गिरिराज सिंह आजादी के पहले हुए बंटवारे को लेकर भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा बंटवारा हमारे पूर्वजों की गलती है। जब मुसलमानों को अलग मुल्क दे दिया था तो देश में मुसलमान क्यों बचे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा मुझे मुस्लिम आबादी से नहीं, बल्कि ऐसी कट्टे टरपंथी सोच से नफरत है, जो 1947 की आजादी के बाद देश को बांटने का प्रयास कर रही है। 1947 में देश बंट गया, जिनको जाना था, वे चले गए। हम पाकिस्तान तो नहीं जा सकते, लेकिन क्या रामनवमी के जुलूस लिए भी ओवैसी से पूछना पड़ेगा।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे लोग तय कर रहे हैं कि रामनवमी का जुलूस कहां से निकलेगा। गिरिराज सिंह ने कहा हिंदुस्तान को गली-मोहल्ला में नहीं बंटने देंगे। खंडवा पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाए जाने की बात कही। उन्होंने कहा बिहार का सरजील इस्लाम असम को काटने की बात करता है। तो गोरखपुर में मुर्तुजा मंदिर में हमला करने पहुंच जाता है।

वहीं उन्होंने खरगोन का जिक्र करते हुए कहा कि खंडवा के पड़ोस में जो हुआ वह मात्र संयोग नहीं है। वह एक तरह का प्रयोग है। उन्होंने कहा कि यह प्रयोग आजादी के पहले से चला आ रहा है। उन्होंने अपने उद्बोधन में गजवा ए हिंद का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में कुछ शक्तियां गजवा ए हिंद लागू करना चाहती है। इसी बीच एक पत्रकार ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के हरिद्वार वाले बयान पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी तो गिरिराज सिंह भड़क गए। इसके बाद वह प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर चले गए। उल्लेखनीय है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हरिद्वार में कहा था कि 20 से 25 साल में भारत फिर से अखंड भारत बनेगा। यदि हम सब मिलकर इस कार्य की गति बढ़ायेंगे तो 10 से 15 साल में अखंड भारत बन जाएगा।

पुणे शहर में हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती कार्यक्रम का आयोजन करेगी मनसे

राज ठाकरे रहेंगे कार्यक्रम में मौजूद

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सदस्यों ने शनिवार को हनुमान जयंती के मौके पर पुणे शहर में हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती कार्यक्रम का आयोजन किया है। नेताओं ने कहा कि महाआरती में मनसे प्रमुख राज ठाकरे मौजूद रहने वाले हैं। हाल ही में राज ठाकरे ने महाराष्ट्र और पूरे देश में मस्जिदों के बाहर लाउडस्पीकरों के खिलाफ स्टैंड लेकर 3 मई तक उन्हें हटाने की मांग की। मनसा प्रमुख ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी है, कि अगर राज्य सरकार और पुलिस ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाया, तब मनसे मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाएगी। इस क्रम में पार्टी की ओर से बड़ा ऐलान हुआ है, कि हनुमान जयंती पर पुणे शहर में हनुमान चालिसा का पाठ और महा आरती का आयोजन किया जाएगा। मामले की जानकारी देकर मनसे नेता अजय शिंदे ने कहा, कुमटेकर रोड पर हनुमान मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन ठाकरे ने मंदिर को पुनर्निर्मित करने में मदद की। शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर, हमने शहर में हनुमान चालीसा पाठ और महा आरती कार्यक्रम का आयोजन किया है। ठाकरे शाम छह बजे मौजूद रहकर महाआरती में शामिल होने वाले हैं।

चन्नी के कार्यकाल में सीएमओ में तैनात अधिकारियों से पूछताछ करेगी ईडी

चंडीगढ़ । एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट की तरफ से गैर-कानूनी रेत माइनिंग, अधिकारियों की पोस्टिंग और तबादले मामले पर पंजाब के पूर्व सीएम चरनजीत सिंह चन्नी पर फिर से शिकंजा कसा गया। ईडी की तरफ से पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी से लगभग साढ़े 5 घंटे पूछताछ की गई लेकिन इस दौरान चन्नी ईडी की तरफ से पूछे गए सवालों के जवाब में पल्ला झाड़ते नजर आए। यह भी चर्चा है कि ईडी की तरफ से उन अधिकारियों से भी पूछताछ होगी, जो चन्नी के कार्यकाल दौरान सी.एम.ओ में मौजूद थे। बता दें कि हाईप्रोफाइल केस होने के चलते ईडी ने बेहद ही गुपचुप तरीके से पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को इन्वैस्टीगेशन के लिए बुलाया था। चन्नी अपने वकील के साथ एक लिखित स्टेटमैंट लेकर गए थे, जहां उक्त स्टेटमैंट देने के बाद ई.डी अधिकारियों ने उनसे पूछा कि इन ट्रांसफर्स व पोस्टिंग के पैसों में उनका कितना हिस्सा था या कहीं यह सारा पैसा उनके हिस्से का तो नहीं था जोकि भूपिंद्र सिंह हनी द्वारा ट्रांसफर्स, पोस्टिंग व अवैध खनन से कमाया गया है।

गुजरात कांग्रेस उपाध्यक्ष आप में शामिल, अब होगा 'हार्दिक का स्वागत'

अहमदाबाद (एजेंसी)।

कांग्रेस ने 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को 99 सीटों पर ही सीमित कर दिया था,तब उम्मीद की जा रही थी कि शायद 2022 में वह सत्ता के लिए लड़े। लेकिन इसबार उसकी हालत पहले से भी कमजोर नजर आ रही है। अहमद पटेल, राजीव सातव जैसे नेताओं के निधन और राज्य की यूनिट में आपसी कलह से कांग्रेस जूझ रही है। इस बीच कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के सबसे अमीर विधायक रहे इंद्रनील राजगुरु ने पार्टी छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। अहम बात यह है कि एक महीने पहले ही कांग्रेस ने उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी।

इंद्रनील के कांग्रेस से जाने के साथ ही पाटीदार नेता के आप में हार्दिक स्वागत के कयास लग रहे हैं। हार्दिक ने एक ओर कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसके नेता ही चाहते हैं कि मैं पार्टी छोड़ दूं और राहुल गांधी ने कोई सुनवाई नहीं की है, वहीं दूसरी तरफ आप के स्टेट चीफ ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का न्यौता दिया है। इसके बाद कयास तेज हो गए हैं, कि क्या हार्दिक पटेल आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले हैं। गुजरात की राजनीति के बारे में जानने वाले कहते हैं कि अगले कुछ दिनों में ऐसा हो सकता है।

आप के नेताओं ने उनसे संपर्क साधाकर कहा कि कांग्रेस से ज्यादा बेहतर विकल्प आपके लिए यह पार्टी हो सकती है। इंद्रनील राजगुरु ने भी कहा कि वह आप में इसकारण शामिल हुए हैं, क्योंकि भाजपा से मुकाबला करने में वह कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा सक्षम है। उन्होंने कहा, गुजरात में मतदाता भाजपा को नहीं चाहते, लेकिन वे कांग्रेस से भी संतुष्ट नहीं हैं। मुझे आप पर भरोसा है और इसलिए मैं इस दल में शामिल हो गया हूं।% इंद्रनील राजगुरु का राजकोट और सौराष्ट्र क्षेत्र में अच्छा प्रभाव माना जाता है। उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद कांग्रेस को छोड़ने पर राजगुरु ने कहा, %गुजरात के लोग स्टेट में एक नई पार्टी देखना चाहते हैं। एक ऐसा दल जो आपस में लड़ने की बजाय उनके बारे में विचार करे। आम आदमी पार्टी राज्य में कांग्रेस या भाजपा के मुकाबले बेहतर विकल्प होगी।' उन्होंने कहा कि लोग भाजपा से परेशान हैं, लेकिन कांग्रेस उसकी जगह लेने की स्थिति में नहीं है। इसलिए मैंने उसे छोड़ा है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की तारीफ करते हुए कहा कि वह पार्टी के लिए नहीं बल्कि लोगों की लड़ाई लड़ने वाले नेता हैं।

बदमाशों से भिड़ी बीएसएफ जवान की पत्नी, 7 साल की बेटी की हिम्मत देख भागे लुटेरे

आगरा ।

यूपी के आगरा में मां-बेटी का साहस देखकर बदमाशों के हौसले खट्टे कर दिए। नतीजतन दोनों को दुम दबाकर भागना पड़ा है। सीसीटीवी फुटेज में पूरी वारदात कैद हुई है। यह मामला वायु विहार (शाहगंज) स्थित बृज विहार कालोनी का है। यहां दिनदहाड़े बीएसएफ जवान के घर में दो बदमाश घुस गए। बीएसएफ जवान की पत्नी निहत्थी ही तमंचाधारी बदमाशों से भिड़ गईं। बदमाश ने तमंचे की बट से महिला का सिर फोड़ दिया। खून बहने लगा। मां को बदमाशों से भिड़ता देखकर सात साल की बेटी ने भी साहस दिखाया। वह घर से बाहर भागकर सीधे बाहर पहुंची और शोर मचा दिया। बेटी के साहस को देखकर बदमाशों दुम दबाकर भाग गए। हालांकि जाते समय बदमाश एक पर्स ले गए। उसमें नकदी और जरूरी कागजात थे। घटना मंगलवार दोपहर 2 बजकर 49 मिनट की है। रेखा अपनी बेटी अवनी(07) और श्रव्या (03) के साथ रहती हैं। सास-ससुर कासगंज गांव गए हुए हैं। पति उर्वेश कुमार बीएसएफ में हैं। तैनाती बीकानेर में हैं।

रेखा ने पुलिस को बताया कि बेटी अवनी कक्षा तीन में एयरफोर्स स्कूल में पढ़ती है। मंगलवार को अवनी के स्कूल का पहला दिन था। वह श्रव्या को भी साथ ले गई थीं। उसका दाखिला कराया था। लौटते समय उन्होंने रास्ते में एक एटीएम से पांच हजार रुपये निकाले। घर आकर स्कूटर रोका। बेटियां घर के अंदर चली गईं। वह स्कूटर अंदर लेकर आईं। स्कूटर से उतरतीं इससे पहले एक-एक करके दो युवक घर में घुस आए। उन्हें दबोच लिया। एक युवक के हाथ में तमंचा था। उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बदमाश उन्हें घसीटकर कमरे में ले जाने लगे। वह निहत्थी थीं। हिम्मत दिखाई। बदमाशों से भिड़ गईं। दोनों तरफ से मारपीट होने लगी। इसी बीच बेटी अवनी घर से बाहर की तरफ भागी। बाहर पहुंचकर उसने शोर मचा दिया। बदमाशों को यह पता चल गया। बदमाश गेट तक आए। वह उनके पीछे आईं। एक बार फिर बदमाशों ने उन पर हमला बोला। मारपीट हुई। दोनों बदमाश घबरा गए। घर से बाहर निकल गए। उनका एक साथी बाइक पर मौजूद था। तीनों बदमाश बाइक से भाग गए। तब तक कालोनी में रहने वाले लोग आ गए। पुलिस को सूचना दी। सीओ लोहामंडी अर्चना सिंह ने बताया कि बदमाश पर्स लूटकर ले गए हैं। पर्स में 5000 रु नकद, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड आदि सामान रखा हुआ था। रेखा के घर पांच सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। घटना सीसीटीवी में कैद है। पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुट गई है। एसओजी को भी लगाया है।

योगी सरकार का महिलाओं को तोहफा, होमगार्ड में 20 फीसदी सीटों पर रिजर्वेशन

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने होमगार्ड्स में 20 प्रतिशत पदों पर महिलाओं को ही नियुक्त करने की पहल करते हुए इस विभाग में रिक्त पदों को जल्द भरने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार होमगार्ड्स विभाग के रिक्त पदों को भरने और 20 प्रतिशत पदों पर केवल महिलाओं की भर्ती होगी। विभाग के अधिकारियों को 100 दिनों में भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। योगी सरकार का मानना है कि प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाने और आतंरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले होमगार्ड विभाग में इन भर्तियों से महिलाओं के प्रति अपराधों में भारी कमी आएगी। साथ ही प्रदेश में सुरक्षा का माहौल भी विकसित होगा। सरकार ने अगले 04 वर्षों में होमगार्ड के रिक्ति पड़े सभी पदों को चरणवार भरने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। सशक्त नारी, सक्षम युवा और सभी विभागीय रिक्तियों को शीघ्रता से भरने और नौकरियों में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सरकार तेजी से काम कर रही है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स संगठन के लिये भारत सरकार ने वर्तमान में 1,18,348 होमगार्ड स्वयंसेवकों की स्वीकृति दी है। जिनमें 785 ग्रामीण, 366 नगरीय कम्पनियों सहित कुल 1151 कम्पनियों की संरचना की गयी है, जिसमें 25 महिला एवं 60 स्वतंत्र महिला प्लाटूनें भी शामिल हैं।

पुलिस थानों में स्वच्छ वातावरण होना चाहिए ताकि लोग बगैर डर के अपनी शिकायतों को दर्ज करा सकें : योगी

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दूसरे कार्यकाल में कानून व्यवस्था को लेकर काफी सक्रिय है योगी ने कहा कि पुलिस थानो में आम लोगों के लिए स्वच्छ वातावरण होना चाहिए ताकि वे बगैर डर के अपनी शिकायतों को दर्ज करा सकें वहीं अभियान चला कर अपराधी तत्वों पर नकेल कसी जाए। योगी ने शुक्रवार को प्रदेश की कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, सुशासन एवं शांति-व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के संबंध में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस थाने में आम जनता के लिए स्वच्छ वातावरण स्थापित हो। जनसामान्य के बैठने एवं स्वच्छ पेयजल व प्रसाधन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और अपराधियों के प्रति कठोर अभियान चलाकर सुरक्षा- सुशासन व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने में आम जनता के लिए स्वच्छ वातावरण स्थापित करते हुए जनसामान्य के बैठने एवं स्वच्छ पेयजल व प्रसाधन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे आम जनता बिना किसी भय के अपनी शिकायतों के निस्तारण के लिये थाने पर आ सके। थाने को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान के साथ साथ वृक्षारोपण आदि के कार्य कराए जाय। साथ ही प्रदेश में महिला सशक्तिकरण एवं अपराधियों के प्रति कठोर अभियान चलाकर सुरक्षा-सुशासन व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाय। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि गोरखपुर के थाना राजघाट में तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक रणधीर कुमार मिश्रा द्वारा व्यक्तिगत रुचि लेकर पूरे थाना स्टाफ के साथ मिलकर टीम भावना से कार्य करते हुए स्थानीय जनता के सहयोग से थाना राजघाट परिसर के जीर्णोद्धार के लिए कार्य किया गया जिसके परिणामस्वरूप थाना -परिसर का कायाकल्प हो गया। उन्होंने कहा कि मिश्रा ने आगंतुक -कक्ष, थाना -कार्यालय, महिला हेल्प- डेस्क आदि सभी स्थानों को काफी अच्छे तरीके से व्यवस्थित एवं पुनर्निर्मित कराया गया। साथ ही परिसर की साफ-सफाई काफी अच्छे तरीके से कराते हुए फूल पौधों से सुसज्जित किया गया ,जिससे थाने में आने वाले प्रत्येक आगंतुक को स्वच्छता के साथ-साथ एक सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। इसी कड़ी में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करते हुए महिला हेल्प-डेस्क एवं महिला विश्रामालय का भी निर्माण कराया गया, जिससे थाने पर आने वाली महिला आगंतुकों को किसी तरह की कोई असुविधा ना हो सके। मिश्रा द्वारा कराए गए कार्यों की सभी के द्वारा काफी सराहना भी की गई है और पूरे पुलिस परिवार के लिए यह अनुकरणीय है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक की टक्कर से कार बनी आग का गोला, 3 दोस्त जिंदा जले

पानीपत । पानीपत के इसराना में दर्दनाक हादसा हुआ। पानीपत रोहतक हाईवे पर ट्रक ने कार को टक्के कर मार दी। जिससे कार में आग लग गई। कार सवार तीन लोग जिंदा जल गए। करीब 45 मिनट तक कार जलती रही। हादसा दोपहर करीब 12:15 बजे का है। तीनों शव की पहचान हो गई। सोनीपत की एचआर10 एसी 5675 नंबर की कार पानीपत से गोहाना की तरफ जा रही थी। इसराना अनाज मंडी के पास तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। चालक जब तक कार को संभाल पाता उसमें आग लग गई। कार में आग लगते ही इसराना अनाजमंडी और आसपास के लोग बुझाने के लिए दौड़े। लोगों ने शोर मचाया, लेकिन कार में सवार लोग बाहर नहीं निकल पाए। कार सीएनजी चलित थी। साथ ही टक्कर की वजह से कार के दरवाजे लाक हो गए थे। इस वजह से कार सवार लोग बाहर नहीं निकल पाए। आग ने कार को पूरी तरह से चपेट में ले लिया। करीब 45 मिनट तक कार जलती रही। कार में सवार एक भी व्यक्ति बाहर नहीं निकल पाया। लोगों ने कार में लगी आग को किसी तरह से बुझाया। इसके बाद दमकल और पुलिस पहुंची। पुलिस की टीम ने कार को तोड़ा। कार के अंदर तीन लोगों के शव पड़े हुए थे। तीनों शव बुरी तरह से जल चुके थे। कार में जिंदा जलने वालों में एक की शिनाख्त हो गई है। कार में जिंदा जलने वालों में बड़ौत के गांव हेलवाड़ी का विक्रांत राठी, बराना गांव पानीपत का शुगम और जलालपुर का पंकज था। विक्रांत के पिता सितमलपाल राठी आर्मी से रिटायर हैं और फिलहाल नूरवाला में रहते हैं। विक्रांत सेक्टर 18 में किराये पर रहता है। पुलिस ने बताया कि विक्रांत की दो पैथोलाजी लैब है। आज घर में शाम को देवी मां का जागरण भी था। उसकी पत्नी रेनू राठी फिजियोथैरेपिस्ट है और दो महीने का बेटा है। वहीं, विक्रांत की लैब में शुगम काम करता था और पंकज की अलग लैब थी।

(एटा) एटा- दरगाह प्रांगण खुदाई में मिलीं हनुमान-शनिदेव की मूर्तियां

-बीजेपी विधायक ने किया मंदिर होने का दावा

एटा । उत्तर प्रदेश के एटा के कस्बा जलेसर स्थित बड़े मियां दरगाह मामले में शुक्रवार को नया मोड़ आया है। दरगाह परिसर में पुलिस चौकी स्थापना के लिए नींव की खुदाई कराई जा रही थी। खुदाई में हनुमानजी और शनिदेव की प्रतिमाएं मिली हैं। प्रतिमाएं मिलने के बाद इनका पानी से शुद्धिकरण किया गया। शनिदेव की प्रतिमा का तेल से अभिषेक किया गया। दरगाह परिसर में बड़े मियां की मजार के करीब 10 मीटर दूरी पर ही यह खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान जमीन में हनुमानजी और शनिदेव की प्रतिमाएं मिलीं। इसकी जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय भाजपा विधायक संजीव दिवाकर भी वहां पहुंच गए। गाजे-बाजे के साथ प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकाली जाएगी। साथ ही एएसआई को सूचना दी गई। एएसआई की टीम पहुंचकर यहां नमूने लेगी। जिससे प्रतिमाओं की प्राचीनता पता लग सके। बता दें कि स्थानीय लोग पहले ही दरगाह परिसर में शनिदेव का प्राचीन मंदिर होने का दावा करते रहे हैं। कहा जाता था कि शनिदेव की प्रतिमा को दबा दिया गया था। अब प्रतिमा खोदाई में निकलने से शनिदेव मंदिर के अस्तित्व पर नई बहस शुरू हो गई है।

हवा में था विमान, सुलग उठा स्मार्टफोन, क्रू-मेंबर ने फायर एक्सटिंग्विशर यूज कर बुझाई आग

नई दिल्ली । स्मार्टफोन में आग लगने के कई मामले सामने आ चुके हैं। हवाई जहाज में मोबाइल फोन में आग लगने का मामला सामने आया है। हालांकि, समय रहते क्रू मेंबर्स फोन में लगी आग को बुझा लिया, लेकिन इस तरह के कई मामले पिछले दिनों सामने आए हैं। हादसा डिब्रूगढ़-दिल्ली फ्लाइट में गुरुवार को हुआ। हादसे के समय इंडिगो एयरलाइन्स का प्लेन हवा में था। इसकी जानकारी डीजीसीए के अधिकारी ने दी है। डीजीसीए अधिकारी के मुताबिक, इस हादसे में किसी यात्री या फिर क्रू-मेंबर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इंडिगो एयरलाइन की 6ई 2037 फ्लाइट डिब्रूगढ़ से दिल्ली जा रही थी, जब एक क्रू-मेंबर ने एक यात्री के फोन से चिंगारी और धुआं निकलते हुए देखा। क्रू-मेंबर ने फायर एक्सटिंग्विशर यूज करके आग को तुरंत बुझा दिया। हवाई जहाज गुरुवार दोपहर 12.45 पर दिल्ली में सुरक्षित लैंड हो गया है। इंडिगो की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि डिब्रूगढ़ से दिल्ली आ रही फ्लाइट 6ई 2037 में मोबाइल फोन की बैटरी असामान्य रूप से गर्म होने की घटना सामने आई है। क्रू को इस तरह के स्थिति के लिए ट्रेनिंग दी गई है और उन्होंने तेजी से स्थिति को काबू में कर लिया। इस हादसे में किसी भी पैसेंजर या ऑन-बोर्ड प्रॉपर्टी को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

'अखिलेश तो खामोश हैं', जेल में डालने पर चुप्पी का आरोप लगा, मुस्लिम नेता का सपा से इस्तीफा

लखनऊ । समाजवादी पार्टी नेता कासिम रायन ने मुसलमानों पर अत्याचार की बढ़ती घटनाओं के खिलाफ पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है। सपा नेता कासिम रायन ने अपने इस्तीफे में पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के बारे में जिक्र किया कि उन्हें जेल में डाल दिया गया। लेकिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मामले में खामोश में रहे। कासिम ने लिखा कि, 'प्रदेश में हो रहे मुस्लिम समुदाय के लोगों पर अत्याचार के खिलाफ प्रदेश से लेकर जिले तक सत्ता का मलाई खाने वाले समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों, नेताओं का आवाज न उठाना, आजम खान का परिवार सहित जेल में डाल दिया जाना। नाहिद हसन को जेल भेज दिया जाना, साजिल इस्लाम का पेट्रोल पंप गिर दिया। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष के मुसलमानों के प्रति इस तरह के व्यवहार से खिन्न होकर पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं। बता दें कि कासिम सुल्तानपुर जिले के सेक्टर प्रभारी थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जल आत्मनिर्भरता द्वारा 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करेंगे : मुख्यमंत्री

वाघरेच में कावेरी नदी पर 250 करोड़ रुपए की लागत वाले 'टाइडल रेगुलेटर डैम प्रोजेक्ट' का शिलान्यास

बिलीमोरा में 55 करोड़ रुपए के ख़र्च से नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज का ई-लोकार्पण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दक्षिण गुजरात में नवसारी ज़िले के गणदेवी के बिलीमोरा स्थित कावेरी नदी पर 250 करोड़ रुपए की लागत वाले 'वाघरेच टाइडल रेगुलेटर डैम प्रोजेक्ट' का शुक्रवार को शिलान्यास किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट कहा, ''आज़ादी के अमृत काल में राज्य सरकार ने राज्य को अमृतमय मीठे जल की आपूर्ति का लक्ष्य निर्धारित किया है। ग्लोबल वॉर्मिंग तथा क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से समग्र विश्व जूझ रहा है। ऐसे में राज्य में पानी की समस्या दूर करने के लिए भूमिगत जल भंडारों को समृद्ध बनाकर जल प्रबंधन की प्रतिबद्धता है।'' समारोह में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल की प्रेरक उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने 'वाघरेच टाइडल रेगुलर डैम प्रोजेक्ट' की ई-तकती का अनावरण किया। इसके साथ ही उन्होंने बिलीमोरा नगर पालिका क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग नंबर 108-109 पर नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज का ई-लोकार्पण भी किया। शहरी विकास तथा गृह निर्माण विभाग के अनुदान से सड़क एवं भवन विभाग ने 55 करोड़ रुपए के ख़र्च से इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया है। वाघरेच में नर्मदा, जल संसाधन, जलापूर्ति एवं कल्पसर विभाग की ओर से आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि राज्य में श्रृंखलाबद्ध चेकडैम, बोरीबांध, सुजलाम्-सुफलाम्, अन्य बहुद्देश्यीय योजनाओं, कैनाल व पाइपलाइन नेटवर्क, 'सौनी' योजना, टाइडल प्रोजेक्ट्स जैसे जल संचय, जल सिंचन एवं जल संग्रह आयामों से भूमिगत जल स्तर ऊँचा आया है और किसानों के खेतों में पानी पहुँचा है। उन्होंने कहा कि हम जल आत्मनिर्भरता द्वारा 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना साकार करेंगे। मुख्यमंत्री ने वाघरेच रेगुलेटर प्रोजेक्ट से बिलीमोरा नगर पालिका सहित गणदेवी तहसील के 10 गाँवों को होने वाले भारी लाभ पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कावेरी नदी पर 10 किलोमीटर तथा खरेरा नदी पर 5 किलोमीटर लम्बाई में 100 मिलियन क्यूबिक फ़ीट मीठे जल का संग्रह होगा और पुरानी खरेरा नदी पुनर्जीवित होगी। उन्होंने कहा कि बिलीमोरा व आसपास के दस गाँवों की 3500 एकड़ भूमि को सिंचाई जल का लाभ मिलेगा। समुद्री ज्वार का पानी नदी में आना रुकेगा, जिससे सतही व भूमिगत क्षार और कृषि योग्य उपजाऊ भूमि को नुक़सान से बचाया जा सकेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वाघरेच रेगुलेटर प्रोजेक्ट जल समृद्धि की गारंटी देने वाली योजना बनेगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि दक्षिण गुजरात जल समृद्ध नदियों वाला क्षेत्र है, परंतु समुद्र तटवर्ती क्षेत्रों में समुद्री खारेपन के कारण 'पास कुआँ, फिर भी प्यासे' जैसी स्थिति का निर्माण हुआ है। यह डैम इस समस्या से लड़ने में वरदान सिद्ध होगा। उन्होंने जल को विकास का मुख्य आधार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलशक्ति की महिमा बताते हुए उसे जनशक्ति के साथ जोड़ा है। ऐसे में राज्य में लोगों को पीने, घरेलू उपभोग के तथा सिंचाई जल की समस्या या दिक्क़त न आए; इसके लिए राज्य सरकार जल प्रबंधन के उम्दा प्रयासों के साथ निरंतर जागृत है। मुख्यमंत्री ने इसकी पूरी भूमिका समझाई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समुद्री क्षार नियंत्रण के प्रयासों के साथ-साथ विषाक्त रासायनिक कृषि के स्थान पर कम पानी में होने वाली रासायनिक उर्वरक मुक्त प्राकृतिक खेती अपनाकर सच्चे अर्थ में धरती माता को हरियाला बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि किसी भी विकास योजना को ऑफ़िस में बैठकर आकार देने के बजाय योजना स्थल पर जाकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कर योजना को साकार करने से गुणवत्तायुक्त परिणाम मिलते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यही विज़न है। गुजरात सरकार ने प्रधानमंत्री के विज़न का अनुकरण करते हुए वाघरेच की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर स्थानीय क्षेत्र की जनता के विशाल हित में यह प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसका लाभ मिलने के बाद यहाँ के लोगों की पानी की समस्या अतीत बन जाएगी। राज्य सरकार ने स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग व भावना को सम्मान दिया है। उन्होंने गुजरात सरकार की विकास को वेग देने की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। राज्य के स्वास्थ्य, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल ने कहा कि वर्षा ऋतु में समुद्री ज्वार के कारण बिलीमोरा शहर तथा आसपास के समुद्र तटीय क्षेत्र के गाँवों में आने वाले क्षार को रोकने की सरकार ने चिंता की है। वाघरेच परियोजना केवल एक वर्ष के भीतर ही पूर्ण की जाएगी, जिससे आने वाले समय में लगभग 12 गाँवों को पीने का शुद्ध व मीठा जल मिलेगा। आदिजाति क्षेत्र के विकास के लिए आगामी पाँच वर्ष में एक लाख करोड़ का पैकेज बनाया गया है। इस बजट में पाँच सौ करोड़ रुपए के ख़र्च से चेकडैम, वियर बना कर बरसाती जल संग्रह का सुचारुआयोजन किया गया है। इस अवसर पर आदिजाति विकास मंत्री नरेश पटेल ने स्वागत संबोधन में कहा कि राज्य सरकार ने बिलीमोरा नगर पालिका क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण तथा वाघरेच में टाइडल रेगुलर डैम का शिलान्यास कर इस क्षेत्र की जनभावना को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों की सुख-सुविधा के कार्य करने के लिए सदैव तत्पर है। समारोह में उपस्थित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद सी. आर. पाटिल ने कहा कि वाघरेच के डैम के लिए निरंतर प्रयासों के कारण मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में अब यह योजना साकार होगी। यह डैम बनने से तेरह किलोमीटर क्षेत्र में आने वाले गाँवों में पीने का शुद्ध पानी मिलेगा। यहाँ के तटवर्ती क्षेत्रों में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए अलग से योजना बनाई जाएगी।

विदेश में रची गई साजिश, बाहर से बुलाए लोग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के खंभात में रामनवमी पर हुई हिंसा थी। मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस ने दावा किया कि खंभात में रामनवमी पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए विदेश में साजिश रची गई। पुलिस ने बताया कि एक मौलवी मुस्तकीम और उसके दो साथी मतीन और मोहसिन के साथ ही रजाक अयूब, हुसैन हाशमशा दीवान भी इस साजिश के बड़े किरदार हैं।

आणंद जिले के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हिंसा को अंजाम देने के लिए कुछ लोगों को खंभात के बाहर से बुलाया गया था। शोभायात्रा रविवार को थी, लेकिन शनिवार रात तक बाहर से लोगों को बुलाकर एकत्र किया गया था। इसके साथ ही पत्थर और दूसरी घातक चीजें भी लाई गईं थीं। इतना ही नहीं, हिंसा के दौरान आरोपियों ने पथराव और आगजनी के लिए लोगों को उकसाया। साथ ही हिंसा के लिए पैसे भी इकट्ठा किए गए थे।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों को बताया गया था कि जब शोभायात्रा मस्जिद के पास से गुजरे, तब पथराव शुरुकर दे। लिहाजा रविवार को शोभायात्रा मस्जिद तक पहुंची ही थी कि प्लानिंग के मुताबिक पहले पथराव किया गया फिर आगजनी की गई। इतना ही नहीं, हिंसा फैलाने वाले लोगों को ये भरोसा दिया गया था कि उन्हें कुछ नहीं होने दिया जाएगा।

अगर कुछ होता है, तब कानूनी मदद भी दी जाएगी। इस वारदात को अंजाम देने के लिए पैसे भी इकट्ठा किए गए थे।